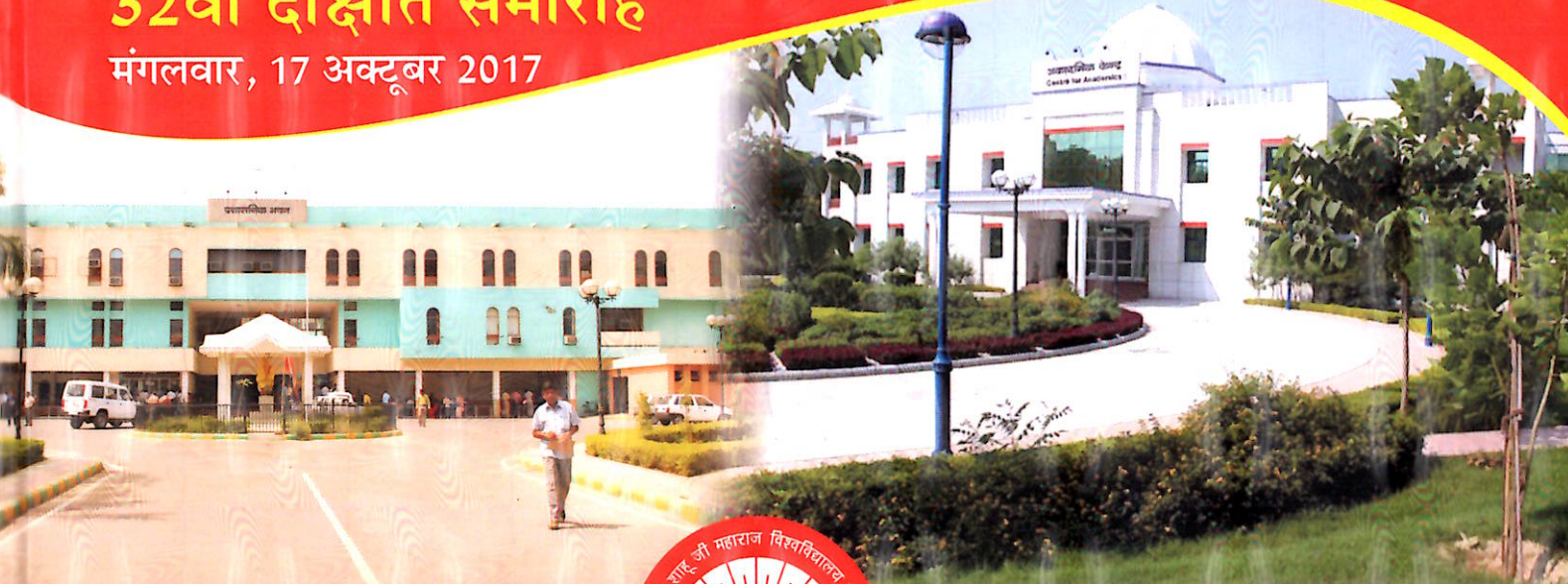


32वाँ दीक्षांत समारोह

मंगलवार, 17 अक्टूबर 2017



छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

www.kanpuruniversity.org



C

S

J

M

UNIVERSITY

KANPUR

MISSION

- *To contribute to India & World through excellence in Education and Research*
- *To encourage intellectual excellence and unfettered growth*
- *To generate excellence through state-of-the-art Undergraduate, Postgraduate and Doctoral Programmes*
- *To develop human potential to produce excellent and responsible leaders in different professions*
- *To maintain academic integrity and accountability through transparency*

राम नाईक
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



राज भवन
लखनऊ- 226 027

26 सितम्बर, 2017



सन्देश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा 17 अक्टूबर, 2017 को अपने 32वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर एक पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

दीक्षान्त समारोह शिक्षण संस्थान के साथ ही छात्र-छात्राओं के लिये एक विशिष्ट एवं गौरवमयी अवसर होता है। मैं सभी पदक एवं उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

दीक्षान्त समारोह के सफल आयोजन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।


(राम नाईक)

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
32वें दीक्षान्त समारोह
(अक्टूबर 17, 2017)

प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय
शिक्षा और संस्कार : एक समीक्षा



महामहिम कुलाधिपति मान्यवर राम नाईक जी, माननीय उप-मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति सम्मान्य प्रो० वैशम्पायन जी, मंच पर विराजमान प्रति-कुलपति प्रो० आर० सी कटियार जी, कुलसचिव श्री राम चन्द्र अवस्थी जी, विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद एवं कार्य-परिषद के माननीय सदस्यगण, इसी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और वर्तमान में आगरा विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डा० अरविन्द दीक्षित जी, आचार्य-आचार्यागण, प्रिय छात्र-छात्राओं, मीडिया के बन्धुगण, देवियों और सज्जनों,

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में दीक्षान्त उद्बोधन के लिए आमन्त्रित होना मेरे लिए गौरव का विषय है। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय की विद्या परिषद, कार्यपरिषद तथा सम्माननीय कुलपति महोदय के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। विश्वविद्यालय के महामहिम कुलाधिपति जी का मैं विशेष अभारी हूँ जिन्होंने इस हेतु अपनी स्वीकृति एवं सहमति प्रदान की है।

सर्वप्रथम मैं, विश्वविद्यालय के छात्रों शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों को स्वर्ण-जयंती वर्ष की बधाई देना चाहता हूँ, उसी के साथ इस दीक्षान्त समारोह में जिन छात्र-छात्राओं ने उपाधियाँ तथा पदक प्राप्त किये हैं, उन्हें विशेष बधाई देता हूँ। यह सुखद संयोग है कि स्वर्ण जयंती वर्ष में विश्वविद्यालय के एक पूर्व छात्र को भारत के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने का गौरव प्राप्त हुआ है। मुझे याद है कि लगभग दो वर्ष पूर्व हम पटना में भारतीय शिक्षण मण्डल की एक कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उनके साथ मंच पर थे। उन्होंने धीरे से मेरे कान में कहा था 'पाण्डेय जी आज शाम की चाय आप हमारे साथ राज भवन में लेंगे'। राजभवन में कुल एक घंटे उन्होंने हम सभी को जिस स्नेह, सम्मान और अपनत्व का एहसास कराया, वह अविस्मरणीय रहेगा। यहाँ यह भी उल्लेख करना समीचीन होगा कि पूर्व में भी विश्वविद्यालय के एक पूर्व छात्र ने देश का यशस्वी प्रधानमंत्री बनकर हमारा गौरव बढ़ाया है।

मित्रों अब से लगभग 20 वर्ष पूर्व मैं दो सत्रों के लिए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय का कुलपति रहा था। दूसरा सत्र पूरा होते-होते तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्री सूरजभान जी ने मुझे उ०प्र० लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। उन दो सत्रों की अपनी स्मृतियाँ आप से साझा करने के लिए मैं आपका दो मिनट लेने की अनुमति चाहता हूँ। दोनों ही सत्रों में हम एक-एक सामान्य दीक्षान्त समारोह तथा एक-एक विशेष दीक्षान्त समारोह आयोजित कर सके थे।

सत्र 1998-99 के दीक्षान्त समारोह में तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा० मुरली मनोहर जोशी, मेरे गुरु प्रो० हीरालाल निगम तथा उन्हीं दिनों नोबेल पुरस्कार पाये डा० अमर्त्य सेन को मानद उपाधियाँ प्रदान की गयी थीं। डा० अमर्त्य सेन लगभग माह भर बाद भारत आ पाये थे, इसलिए उनके लिए इण्डिया इण्टरनेशनल सेन्टर दिल्ली में एक विशेष दीक्षान्त समारोह आयोजित करना पड़ा था। सत्र 1999-2000 में हिमाचल के तत्कालीन राज्यपाल आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री, प्रसिद्ध साहित्यकार महिषी महाश्वेता देवी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डा० हरि गौतम, प्रसिद्ध साहित्यकार श्री यशपाल जैन तथा लंदन के हिन्दी-सेवी विद्वान प्रो० श्याम मनोहर पाण्डेय को मानद उपाधियाँ दी गयी थीं। माननीया महाश्वेता जी स्वास्थ्य कारणों से दीक्षान्त समारोह में नहीं आ सकी थीं इसलिए उनके लिए कोलकाता के राजभवन में विशेष दीक्षान्त समारोह का आयोजन करना पड़ा था।

मुझे अच्छे से याद है सन् 2000 के दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि आचार्य विष्णु कान्त शास्त्री ने संस्कृत ग्रन्थों का उद्धरण देकर आचार्यों की दो श्रेणियों का वर्णन किया था, शिलाधर्मी आचार्य तथा आकाशधर्मी आचार्य। शिलाधर्मी आचार्य वे हैं जो अपने शिष्यों पर अपना ज्ञान लाद देते हैं, वैसे ही जैसे किसी घास के मैदान पर एक शिला पड़ी हो जिसके नीचे की घास मरी-मरी, पीली-पीली हो जाती है तथा आकाशधर्मी आचार्य वे हैं जो अपने शिष्यों को मुक्त चिंतन का अवसर देते हुए उनके ज्ञान का विकास करते हैं। स्पष्ट है कि शिलाधर्मी आचार्यों की तुलना में आकाशधर्मी आचार्य वरेण्य माने गये हैं। किन्तु विगत कुछ दशकों में हमारे विश्वविद्यालयों में तथा महाविद्यालयों में आचार्यों की एक और श्रेणी विकसित हुई है, जिन्हें हम कर्म-निरपेक्षी आचार्य कह सकते हैं। ये आचार्य न शिलाधर्मी होते हैं न आकाशधर्मी अपितु पठन-पाठन के कार्य से नितान्त निरपेक्ष रहते हैं और क्लास रूम में जाकर पढ़ाना अपना अपमान समझते हैं। ऐसे आचार्य सदैव सत्ता के इर्द-गिर्द बने रहने का प्रयास करते हैं। यह सत्ता महाविद्यालय का प्राचार्य या प्रबन्धक हो सकता है, विश्वविद्यालय का कुलपति हो सकता है अथवा उनके क्षेत्र का प्रभारी मंत्री हो सकता है। कई बार इनकी पहुँच मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री तक भी होती है।

कर्म-निरपेक्षी आचार्यों की परम्परा को पीछे छोड़ते हुए अब तो कर्म-निरपेक्षी शिक्षण संस्थानों की परम्परा चल पड़ी है।

इन शिक्षण संस्थानों में विधिवत छात्रों का प्रवेश होता है, उनकी परीक्षाएँ भी होती हैं, नहीं होती तो केवल पढ़ाई नहीं होती। अधिकांशतः ये शिक्षण संस्थान स्ववित्तपोषी होते हैं जो संस्थान के मालिक के स्व का वित्त पोषण भली भाँति करते हैं। महामहिम कुलाधिपति जी यदि प्रदेश में एक भी ऐसा महाविद्यालय है जहाँ पढ़ाई होती ही नहीं तो हमें व्यवस्था की उस कड़ी को पहचान कर उसे तोड़ना होगा जिसके बल पर ऐसे महाविद्यालय अस्तित्व में आये हैं और पूरी शिक्षा व्यवस्था को मुँह चिढ़ा रहे हैं। परन्तु ऐसे महाविद्यालयों पर कार्यवाही करने के पहले यह ध्यान रखना होगा कि ऐसे सभी महाविद्यालय किसी न किसी राजनेता अथवा प्रशासनिक अधिकारी के संरक्षण में हैं। समय आ गया है कि हम उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए सब कुछ छोड़कर अपना पूरा ध्यान क्लास-रूम पर केन्द्रित करें और यह सुनिश्चित करें कि कैसा भी शिक्षण संस्थान हो उसमें सारे पाठ्यक्रमों की नियमित कक्षाएँ अवश्य लगे।

मित्रों, मेरे परिचय में जब यह बताया जाता है कि मैं चार विश्वविद्यालयों का कुलपति रह चुका हूँ तब अपनी स्मृतियों पर जोर डालकर मैं यह याद करने की कोशिश करता हूँ कि इन चार विश्वविद्यालयों में मैंने क्या-क्या सीखा। विश्वविद्यालय-प्रशासन सीखने का पहला अवसर मुझे छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में ही मिला, जहाँ मैं 1998 में कुलपति बनकर आया। भले ही मैं यहाँ कुल डेढ़ वर्ष ही रह पाया किन्तु जो स्नेह, सम्मान और प्रशिक्षण मुझे इस विश्वविद्यालय में मिला वही आगे के जीवन के लिए मेरी पूँजी बना। मैं निःसंकोच भाव से यह कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष बनने से पहले यदि मैं डेढ़ वर्षों तक कानपुर विश्वविद्यालय का कुलपति न रह चुका होता तो लोक सेवा आयोग मुझसे न सँभलता। आयोग के आठ-आठ सदस्यों को साधना आसान काम नहीं था। इनमें आधे से अधिक अति वरिष्ठ आई0ए0एस अधिकारी होते हैं। मैं इस दायित्व का चार वर्षों तक सफलता पूर्वक निर्वहन कर सका तो यह कानपुर विश्वविद्यालय में पाये प्रशिक्षण का ही परिणाम था। मुझे यह प्रशिक्षण देने वालों में विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलसचिव डॉ0 बी0 के0 पाण्डेय तथा वित्त नियंत्रक श्री जे0एन0 रैना प्रमुख थे। महानगर के जिन विशिष्टजनों ने समय-समय पर मुझे मार्ग दर्शन दिया उनमें प्रमुख थे कैलाश मोटर्स के माननीय डा0 ईश्वर चन्द्र गुप्त जी, श्रद्धेय बैरिस्टर साहब के सुपुत्र माननीय वीरेन्द्र पराक्रमादित्य जी, अ0प्रा0 प्राचार्य माननीय ज्ञान चंद्र अग्रवाल जी, सांसद माननीय द्रोण जी, बी0एन0एस0डी0 शिक्षा निकेतन के डा0 अंगद सिंह जी तथा डा0 गीता मिश्रा जी। मैं भाग्यशाली हूँ कि पूरे डेढ़ वर्ष मीडिया का व्यवहार मेरे प्रति मित्रवत रहा और कठिनाई के क्षणों में उन्होंने मुझे लीक से हटकर विरोधियों को मात देने के गुर बताए।

मित्रों, दीक्षान्तसमारोह में माननीय कुलपति जी ने दीक्षोपदेश में स्नातकों से जो प्रतिज्ञा करायी है वही हमारी संस्कार-शिक्षा का सार है। यह शिक्षा तैत्तरीयोपनिषद की शिक्षा वल्लरी का अंश है। यों तो हमारी वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में छात्र-छात्राओं को तैत्तरीयोपनिषद का दर्शन भी दुर्लभ है, परन्तु हम यह मान कर चलते हैं कि अपने छात्र जीवन में उन्होंने यह शिक्षा भली भाँति ग्रहण की है और दीक्षान्त समारोह के दिन श्रद्धेय कुलपति जी द्वारा उन्हें मात्र इसका पुनः स्मरण कराया जा रहा है।

हमारी आज की शिक्षा व्यवस्था में सुसंस्कारों के लिये कोई स्थान नहीं है, इसलिये शिक्षा से संस्कार का कोई सम्बन्ध नहीं रह गया है। समाज में जहाँ नितान्त अशिक्षित व्यक्ति संस्कार के श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है वहीं ऊँची से ऊँची शिक्षा पाया व्यक्ति भी नितान्त संस्कार-हीनता का परिचय देता है। उच्चतम पदों पर आसीन रह चुके दर्जनों प्रशासनिक अधिकारियों, डाक्टरों, इंजीनियरों तथा राजनेताओं का जेल की कोठरियों में बन्द होना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। आजकल विश्वविद्यालयों

तथा महाविद्यालयों के परिसरों में छात्राओं के साथ छेड़-छाड़ की घटनाओं की जितनी शिकायतें मिल रही हैं वह हमारे लिए बहुत ही शर्मनाक हैं। दुर्भाग्य से स्वतंत्रता के बाद परिसरों में जिस विचारधारा को जड़ जमाने दिया गया, वह पश्चिम की “eat drink and be merry” सोच से अनुप्राणित है, परिणाम स्वरूप “मातृवत परदारेषु” की हमारी प्राचीन संस्कृति को नकार कर “all the women you come across, don't think they are your mothers and sisters” की सोच हावी हो गई है। महानगरों की यह बीमारी अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी पैर पसार रही है। आधुनिक चलचित्र तथा दूरदर्शन के धारावाहिक आग में घी का काम कर रहे हैं।

हमारे प्राचीन मनीषियों ने सौ वर्ष के जीवन को चार आश्रमों में बाँटा है। प्रथम आश्रम ब्रह्मचर्य आश्रम है, जो विद्या अध्ययन के लिये निर्धारित है। ब्रह्मचर्य आश्रम का प्रत्येक क्षण विद्या अध्ययन द्वारा ब्रह्म की ओर अग्रसर होने के लिये है। इस हेतु अथर्व वेद के ब्रह्मचर्य सूक्त के एक मंत्र में इस प्रकार का आदेश है—

इयं समित पृथ्वी द्यौर्द्वितीयोतांतरिक्षं समिधा पृणाति ।

ब्रह्मचारी समिधा मेखलया श्रमेण लोकांस्तपसा पिपति ।।

अर्थात्—“ ब्रह्मचारी समिधा, मेखला, श्रम और तप द्वारा लोकों का पोषण करता है। उसकी पहली समिधा पृथ्वी लोक है, दूसरी समिधा द्विलोक है तथा तीसरी समिधा अंतरिक्ष लोक है ।”

अतः समिधा, मेखला, श्रम तथा तप संस्कार युक्त शिक्षा के आधार माने गये हैं। इस मंत्र के व्यावहारिक स्वरूप को अष्टांग, योग द्वारा प्राप्त किया जाता है। योगश्चित्तवृत्ति निरोधः के अनुसार चित्त की वृत्तियों को योग के द्वारा नियंत्रित कर मन को विद्या अध्ययन पर केन्द्रित करने का अभ्यास कराया जाता है। दुर्भाग्य से मैकाले की शिक्षा पद्धति की चपेट में हमने समिधा, मेखला, श्रम और तप चारों को अपनी शिक्षा में से निकाल दिया है तथा योग को वर्ष में एक दिन अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिये आरक्षित कर दिया है।

संस्कारयुक्त शिक्षा पाने के लिये हमें योग को पुनः शिक्षा के अनिवार्य अंग के रूप में स्थापित करना होगा। शिक्षा के किसी भी सोपान पर हमें छात्र को एक काल खण्ड की योग की शिक्षा देनी ही होगी, भले ही हमें पूरे देश के शिक्षण सस्थानों के लिए लाखों की संख्या में योग शिक्षक तैयार करने पड़ें। छात्र-छात्राओं को संस्कार संपन्न और सच्चरित्र बनाने के लिए इसका कोई विकल्प नहीं है।

चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में हमने योग, प्रार्थना सभा तथा ग्राम प्रवास जैसे कार्यक्रमों का छात्रों पर अच्छा प्रभाव पड़ने का अनुभव और अध्ययन किया है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने की है। उन्होंने हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति के ग्राह्य अंशों को लेकर उच्च शिक्षा के एक आदर्श स्वरूपका निर्माण करने का प्रयास किया है। योग, प्रार्थना सभा और ग्राम प्रवास जैसे कार्यक्रमों की ओर अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालयका ध्यान भी गया है, परन्तु उनके द्वारा क्रियान्वयन में अनेकों वर्ष लग सकते हैं। पूज्य नाना जी के प्रयोगों को आधार बना कर हमने सत्र के प्रारम्भ में 15 दिन का छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें विश्वविद्यालय के समस्त छात्र कक्षाशः अथवा संकायशः एकत्रित होते थे। एक घंटे का योग होता था तथा एक घंटे की सामूहिक प्रार्थना सभा होती थी, तत्पश्चात् एक घंटे के लिये छात्र अपने-अपने विभाग में जाकर शिक्षकों से आवश्यक निर्देश प्राप्त करते थे। यह कार्यक्रम भी बहुत ही सफल और सुपरिणामकारी रहा। उच्च शिक्षा में ग्राम-प्रवास एक नयी प्रभावी विधा के रूप में उभरा

है। माह में एक दिन गाँव में जाकर ग्रामीणों के साथ समरस होकर बैठने से छात्रों में संवेदनशीलता का निर्माण होता है। गाँव वालों के सुख-दुख में भागीदार बनकर छात्र गाँवों के लिये कुछ करने का संकल्प लेता है। इस प्रकार उसके अन्दर सामाजिक सरोकार बढ़ता है। शिक्षा में संस्कार के समुचित समावेश के लिये हम सूत्र रूप में प्रतिदिन एक काल खण्ड योग, सप्ताह में एक दिन एक घण्टे की प्रार्थना सभा तथा माह में एक दिन ग्राम-प्रवास की अनुशंसा करते हैं।

अपने उद्बोधन के समापन से पूर्व हम पुनः विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों को दीक्षान्त की बधाई देते हैं तथा हमारी बातों को धैर्य पूर्वक सुनने के लिये आप सभी को धन्यवाद देते हैं।

जय हिन्द।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

32वें दीक्षान्त समारोह

(अक्टूबर 17, 2017)

कुलपति का वार्षिक प्रतिवेदन

प्रो. जे.वी. वैशम्पायन



परम आदरणीय श्री राम नाईक, कुलाधिपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, परम सम्माननीय मुख्य-अतिथि प्रो. के. बी. पाण्डेय, विशिष्ट-अतिथि प्रो. दिनेश शर्मा, माननीय उप-मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, कार्यपरिषद एवं विद्या परिषद के विशिष्ट सदस्यगण, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, विभिन्न संकायों के अधिष्ठातागण, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, विद्वान संकाय सदस्यगण, पदक एवं उपाधि प्राप्तकर्ता, छात्रगण, प्रेस एवं मीडिया के प्रतिनिधि बन्धु, सम्माननीय अतिथिगण, देवियों एवं सज्जनों!

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षान्त समारोह में आप सभी का स्वागत करते हुये मैं प्रसन्न एवं गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूँ।

मैं दीक्षान्त समारोह के अध्यक्ष, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, परम आदरणीय श्री राम नाईक जी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। श्रीमन्, आपकी प्रेरणामयी उपस्थिति इस अवसर को अतिमहत्वपूर्ण एवं अविस्मरणीय बनाती है। आपसे प्राप्त प्रोत्साहन एवं

सहयोग के लिए हम हृदय से आपके आभारी एवं कृतज्ञ हैं। हमें आशा है कि आपके प्रोत्साहन एवं सहयोग से हम विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के उद्देश्य को और आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे।

हम उत्साहित हृदय से अपने मुख्य अतिथि प्रो० कृष्ण बिहारी पाण्डेय जी का स्वागत करते हैं। प्रो० पाण्डेय का जन्म इलाहाबाद जनपद स्थित ग्राम पकरी-सेवार में एक कृषक परिवार में हुआ था तथा प्रो० पाण्डेय की विद्यालयी शिक्षा लाला रामलाल अग्रवाल इण्टर कालेज, इलाहाबाद में हुयी। उन्होंने विज्ञान स्नातक (1961) परास्नातक (1964) तथा डी.फिल. (1969) उपाधियाँ इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की। उनके शोध पर्यवेक्षक प्रो० एच०एल० निगम, एफ०एन०ए०, विश्व विख्यात संक्रमण धातु रसायनज्ञ थे।

डॉ० पाण्डेय ने सन् 1968 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में रसायनशास्त्र के प्रवक्ता के रूप में अपनी सेवायें आरम्भ की तथा अप्रैल सन् 1970 में वह दिल्ली विश्वविद्यालय चले गये जहाँ उन्होंने पहले पोस्ट डाक्टोरल शोधकर्ता, फिर प्रवक्ता तथा रसायनशास्त्र में उपाचार्य पद पर शिक्षण कार्य किया। सन् 1985 प्रो० पाण्डेय, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (मध्य प्रदेश) में रसायन शास्त्र विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष नियुक्त हुये तथा उनका उन्नयन सन् 1998 में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति पद पर हुआ। शीघ्र ही सन् 2000 में, उ०प्र० शासन ने उन्हें उ०प्र० लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस दायित्व का उन्होंने सफलता पूर्वक 31 मार्च, 2004 की पूर्ण अवधि हेतु वहन किया। प्रो० पाण्डेय ने जे०आर०एच० विश्वविद्यालय चित्रकूट (उ०प्र०) के कुलपति पद पर संक्षिप्त अवधि तक स्वैच्छिक सेवायें दी। उन्होंने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट (म०प्र०) के कुलपति पद पर तीन वर्षों (17.06.2010 से 13.06.2013) के लिये अपनी सेवायें दी। वह पुनः नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, जमुनीपुर, इलाहाबाद के लगभग तीन वर्ष (जुलाई 2015 से अप्रैल 2017) तक कुलपति रहे। अपनी आयु के 75 वर्ष होने पर अब वह अपने आवास पर रहकर ही समाज की स्वैच्छिक सेवा कर रहे हैं।

प्रो० पाण्डेय का सम्पूर्ण सेवाकाल एक प्रतिभाशाली शोधकर्ता तथा शिक्षक का रहा है। उन्होंने 22 पी-एच०डी० शोध ग्रन्थों का पर्यवेक्षण किया है (दिल्ली विश्वविद्यालय में 10 तथा रीवा विश्वविद्यालय 12)। वह भारत की नेशनल एकेडेमी आफ साइन्सेज के फेलो (सहचारी) है तथा इंडियन केमिकल सोसाइटी के 2007-2008 में दो वर्ष अध्यक्ष रहें हैं। उन्होंने अनेक अकादमिक पुरस्कार - जैसे आचार्य पी०सी०रे स्मृति पदक एवं व्याख्याता पद तथा प्रो० पी०के० बोस स्मृति पदक एवं व्याख्याता पद भी प्राप्त किया है। प्रो० पाण्डेय को लीड्स विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के कार्य करने हेतु राष्ट्रमंडल एकेडेमिक स्टाफ फेलोशिप से पुरस्कृत किया गया है। उन्हें "इन्सा-स्लोवाक एकेडेमी आफ साइंसेज एक्सचेंज विजिटरशिप" भी स्लोवाक टेक्निकल विश्वविद्यालय (ब्राटीस्लावा) में कार्य करने हेतु प्रदान की गयी। प्रो० पाण्डेय ई०पी०आर० तथा

मासबार स्पेक्ट्रोस्कोपी के दक्ष विशेषज्ञ हैं तथा कापर – प्रोटीस (विशेषतः कापर जिंक सुपरआक्साइड डाइम्यूटेस) के संश्लेषित प्रतिदर्शी के लिये जाने जाते हैं। सम्प्रति उनकी रुचि प्राकृतिक एवं संश्लेषित एण्टीहाइपर ग्लाइसेमिक (उच्च शर्करा शामक) गुणों वाले अल्फा-ग्लूकोसाइडेस के शोध में है।

अद्यतन डॉ० पाण्डेय इन्टरनेशनल एकेडेमी आफ फिजिकल साइंसेज के अध्यक्ष हैं तथा विज्ञान परिषद, इलाहाबाद संगठन, जो विज्ञान को हिन्दी में लोकप्रिय करने हेतु समर्पित हैं, के उपसभापति हैं।

हम अपने विशिष्ट-अतिथि, माननीय उप-मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, प्रो. डॉ. दिनेश शर्मा का हार्दिक स्वागत करते हैं, जिनका जन्म एवं प्रारम्भिक शिक्षा-दीक्षा लखनऊ में ही हुई। इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से बी.कॉम. तथा एम.काम. की उपाधि ग्रहण की उसके पश्चात् पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

डॉ. शर्मा ने अपना शिक्षक जीवन भी लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रारम्भ किया तथा वर्ष 2004 में प्रोफेसर नियुक्त हुये। डॉ. शर्मा ने अपने विषय से सम्बन्धित कई पुस्तकें लिखी हैं तथा इनके सुयोग्य निर्देशन में कई छात्रों ने अपना शोध कार्य पूर्ण किया है।

वर्ष 2014 में आप भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष नियुक्त हुये तथा गुजरात के प्रभारी भी रहे। मार्च, 2017 में आप प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री नियुक्त हुये एवं वर्तमान में उच्च तथा माध्यमिक शिक्षा के कैबिनेट मन्त्री के रूप में भी कार्यरत हैं।

दीक्षान्त समारोह के अध्यक्ष की अनुमति से मैं विश्वविद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भावी योजनाओं का संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता हूँ।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (पूर्व में कानपुर विश्वविद्यालय) की स्थापना सन् 1966 में की गई थी, और इस वर्ष विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मनाया जा रहा है। सम्बद्धता प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय के रूप में 1966 में अपनी स्थापना के समय से ही विश्वविद्यालय ने अपने आदर्श वाक्य '**आरोह तमसो ज्योतिः**' के अनुरूप प्रगति की है, और सतत् प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हैं। विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षण के आवासीय पक्ष ने 1980 के दशक के आरम्भिक वर्षों में तीन नवीन संकायों, नामतः (1) फ़ैकल्टी ऑफ एडवांस स्टडीज इन लाइफ साइंसेस, (2) फ़ैकल्टी ऑफ एडवांस स्टडीज इन कॉमर्स बिजनेस एण्ड इण्डस्ट्रियल मैनेजमेन्ट एवं (3) फ़ैकल्टी ऑफ एडवांस स्टडीज इन सोशल साइंसेस की स्थापना के साथ शिक्षण का आवासीय स्वरूप अर्जित किया। विश्वविद्यालय ने सतत् प्रगति की है और आज विश्वविद्यालय के सम्बद्धन का क्षेत्र उत्तर प्रदेश राज्य के कानपुर, सीतापुर, हरदोई, इटावा, औरैया, कन्नौज, फर्रुखाबाद, कानपुर देहात, रायबरेली, उन्नाव, अमेठी एवं लखीमपुर खीरी जनपदों को आच्छादित करता है।

विश्वविद्यालय 1100 से अधिक सम्बद्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में अध्ययनरत लगभग 12 लाख संस्थागत एवं एक लाख व्यक्तिगत विद्यार्थियों का प्रबन्धन एवं नियंत्रण करता है। यह विश्वविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला, मानविकी, विज्ञान, समाज विज्ञान, जीवन विज्ञान, जैव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी, वाणिज्य, विधि, कृषि, शिक्षा, खाद्य प्रौद्योगिकी, प्रबन्धन, अभियन्त्रण, पुस्तकालय विज्ञान, सूचना विज्ञान, सैन्य विज्ञान, एविएशन, तथा मेडिकल साइंस आदि विषयों में शिक्षा प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय का भव्य परिसर एवं अवस्थापना सुविधाएँ :

विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाएँ देश के किसी भी आई.आई.टी. संस्थान के समकक्ष हैं। अवस्थापना सुविधाओं में इस बात की पर्याप्त सम्भावना है कि विश्वविद्यालय में अकादमिक उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिये वर्तमान अवस्थापना सुविधाओं में अतिरिक्त वृद्धि अथवा रूपान्तरण किए बिना विश्वविद्यालय की प्रशासनिक क्षमताओं को बढ़ाया जा सकें। विश्वविद्यालय का भव्य परिसर पूरे प्रदेश में अपने प्रकार का सर्वोत्तम है। पर्यावरण के अनुकूल, स्वस्थ एवं प्रभूत प्राकृतिक हरितिमा की गोद में स्थित विश्वविद्यालय का भव्य परिसर अपने सौन्दर्य से लगभग 264 एकड़ भूमि को आच्छादित करता है। विश्वविद्यालय में एक अत्याधुनिक प्रेक्षागृह है जो कि 1100 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखता है। विश्वविद्यालय परिसर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की कम्प्यूटरीकृत शाखाएँ, डाकघर, कैफेटेरिया, कम्प्यूटर केन्द्र, इण्टरनेशनल सेण्टर, हैलीपैड, स्वास्थ्य केन्द्र, बहुउद्देशीय हॉल, स्टेडियम एवं औषधीय वाटिका है। विश्वविद्यालय में 18 संस्थान एवं विभाग हैं। इनमें यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेन्ट, इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस, इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मसी, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोसाइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी, जर्नलिज्म एवं मॉस कम्प्यूनिकेशन संस्थान, जीवन विज्ञान विभाग, शिक्षा विभाग, अंग्रेजी विभाग, प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा विभाग, समाजकार्य विभाग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कम्प्यूटर केन्द्र एवं इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेन्ट सम्मिलित हैं। विश्वविद्यालय में 58 पाठ्यक्रम हैं जिनमें 53 स्ववित्तपोषित एवं 05 वित्त पोषित (Aided) पाठ्यक्रम हैं। हमारे विश्वविद्यालय में रोजगारोन्मुख अन्तर्वैषयिक एवं परावैषयिक पाठ्यक्रम छात्रों को वर्तमान जटिल वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्र की आवश्यकता के अनुरूप स्वयं को तैयार करने की योग्यता प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय की शोध गतिविधियाँ एवं अकादमिक रूपरेखा :

किसी विश्वविद्यालय के शोध एवं अकादमिक उद्यम की गुणवत्ता एवं स्तर उसके उद्देश्य के प्रति

उसकी सफलता की सीमा का निर्धारण करते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संदर्शिकाओं एवं निर्देशों के अनुसार पी-एच.डी. उपाधि प्रदान किये जाने हेतु शोध अध्यादेश के अधिनियमन के उपरान्त हमने पी-एच.डी. उपाधि हेतु अभ्यर्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। हमने पी-एच.डी. शोध प्रबन्धों के विचारार्थ, लम्बित, पूर्व-संचित प्रकरणों का निस्तारण किया तथा विभिन्न विषयों में वर्ष 2016-17 में प्रदान की गई पी-एच.डी. उपाधियों की संख्या 50 है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में विभिन्न सेमिनार एवं कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों द्वारा बहुत सी अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सेमिनार एवं कांफ्रेंस में प्रतिभाग किया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा पुस्तकें एवं अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्र एवं आलेख प्रकाशित किये गये हैं।

विश्वविद्यालय नियमित अकादमिक पंचाग का पालन करता है। विश्वविद्यालय में गुणवत्ता परक शिक्षण एवं शोध तथा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करने के लिये महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। इस वर्ष हम 61 प्रश्नपत्रों को बहुविकल्पीय प्रारूप पर कराने जा रहे हैं। हमने बी.कॉम. तृतीय वर्ष (संस्थागत) परिणाम 21.04.2017 को घोषित कर इसी क्रम में सभी संस्थागत परीक्षा परिणाम दिनांक 23.06.2017 तक घोषित कर दिये थे। विश्वविद्यालय एवं इसके सम्बद्ध महाविद्यालयों में गुणवत्ता परक शिक्षण को प्रोत्साहित करने हेतु हमने आई.क्यू.ए.सी. (IQAC) को सशक्त किया है।

नवोन्मेषी उपाय : व्यवहार में क्रियान्वयन :

कोई भी शिक्षण संस्थान अपने वैश्विक चरित्र के साथ मात्र अपनी पूर्व उपलब्धियों पर संवर्धित नहीं हो सकता। वास्तव में हम वैश्विकता के नाम पर स्थानीय विशिष्टताओं एवं कर्तव्यों की अनदेखी नहीं कर सकते हैं। इसके शिक्षण, ज्ञानार्जन के क्रिया-कलाप, इसके शोध एवं अकादमिक प्रयास, कुलपति के निर्णयों और उठाये गये कदमों के द्वारा अकादमिक एवं प्रशासनिक सहयोग से सजीव होते हैं। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नवोन्मेषी विकास की संभावनाओं को स्रजित करने के साथ-साथ प्रक्रियाधीन योजनाओं एवं परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी मेरी प्राथमिकता रही है। श्रीमन्, मेरे द्वारा लिये गये निर्णयों, उठाये गये कदमों और उनके क्रियान्वयन की एक वर्ष की प्रगति निम्नवत् है -

1. विश्वविद्यालय की स्थापना की स्वर्ण जयंती के अवसर पर वर्षपर्यन्त चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर उसे क्रियान्वित किया जा रहा है।
2. प्रधानमन्त्री जी की स्वच्छ भारत योजना को प्रतिबिम्बित करते हुये विश्वविद्यालय में स्वच्छता की

- प्रभावी व्यवस्था को स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के विभागों एवं कार्यालयों के कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था की गयी है।
3. विश्वविद्यालय में दीर्घ काल से लम्बित शिक्षक प्रोन्नति की प्रक्रिया को आरम्भ करते हुये अंग्रेजी, जीवन विज्ञान, व्यवसाय प्रबन्धन तथा शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों की प्रोन्नति प्रक्रिया को सम्पादित कर लिया गया है। शेष विभागों में भी इसे शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जायेगा।
 4. विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के त्वरित निष्पादन हेतु ई-गवर्नेन्स पर आधारित प्रभावी व्यवस्था को लागू किया गया है।
 5. विश्वविद्यालय की सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति को नियमित रूप से अवलोकित किया जाता है तथा विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में परिनियमानुसार उपस्थिति एवं शैक्षणिक दिवस पूर्ण होने पर ही छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाती है।
 6. विश्वविद्यालय की भुगतान व्यवस्था को त्वरित एवं पारदर्शी बनाने के लिये विश्वविद्यालय के सभी भुगतान आर.टी.जी.एस. प्रणाली द्वारा किये जाने की व्यवस्था आरम्भ की गयी है।
 7. रूसा (RUSA) के अन्तर्गत प्राप्त कुल धनराशि रु.6,73,16,665/- में से रु.6,49,49,139/- का व्यय विश्वविद्यालय के वर्तमान कक्षाओं के तथा बालक एवं बालिका छात्रावासों के उच्ची एवं नवीनीकरण, प्रशासनिक कार्यालयों में कम्प्यूटर तथा सम्बन्धित मॉड्यूल, ई-पुस्तकें तथा ई-संसाधन प्राप्त करने हेतु किया गया।
 8. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को लिये WRN (Web Registration Number) व्यवस्था लागू की गयी है।
 9. छात्रों को उनके परीक्षा परिणाम अतिशीघ्र उपलब्ध कराने के लिये मोबाइल एप (Mobile App) को भी प्रारम्भ किया गया है।
 10. विश्वविद्यालय से महाविद्यालयों की सम्बद्धन प्रक्रिया को ऑन-लाइन किया गया है, जिससे कि कार्य की शुचिता, पारदर्शिता एवं त्वरित गति का प्रभावी लाभ प्राप्त होता है।
 11. कुलपति के रूप में मेरे द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं के साथ विमर्शात्मक खुले सत्रों का आयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है, जिससे कि विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राएँ अपनी समस्याओं से मुझे प्रत्यक्ष रूप से अवगत करा सकें तथा उनका त्वरित निराकरण किया जा सके।

12. विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों हेतु लघुशोध परियोजनाओं के लिये अनुदान का प्राविधान किया गया है।
13. विश्वविद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं हेतु 'पुअर स्टूडेन्ट्स फण्ड (Poor Students Fund)' की स्थापना की गयी है।
14. विश्वविद्यालय में 200 करोड़ रुपये के 'इण्डाउमेन्ट फण्ड (Endowment Fund)' की स्थापना की गयी है।
15. विश्वविद्यालय कैम्पस तथा महाविद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एकैडमिक रिसोर्स सेण्टर की स्थापना की गयी है जो एक नवीन प्रयास है। वर्तमान में सभी विषयों में प्रश्न बैंक तैयार किये जा रहे हैं, जिसमें लगभग 16000 से अधिक प्रश्न अद्यतन उपलब्ध हैं। भविष्य में शैक्षणिक पाठ्य सामग्री का निर्माण एवं उसकी उपलब्धता भी सुनिश्चित की जायेगी।
16. विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में व्यापक स्तर पर बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र प्रणाली पर आधारित 08 सेट प्रश्नपुस्तिकाओं का प्रयोग किया जाता है तथा कम्प्यूटर के द्वारा ओ.एम.आर. से उसका मूल्यांकन किया जा रहा है। इससे मूल्यांकन प्रक्रिया काफी तेज हो गयी है।
17. विश्वविद्यालय की केन्द्रीय मूल्यांकन में गुणवत्ता उन्नयन हेतु मुख्य परीक्षकों/पुनर्निरीक्षकों की नियुक्ति की गयी है साथ ही मेरे द्वारा केन्द्रीय मूल्यांकन केन्द्र का नियमित निरीक्षण किया जाता है।
18. विश्वविद्यालय की बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एड., विधि, बी.पी.एड. एवं अन्य व्यावसायिक परीक्षाओं हेतु विभिन्न महाविद्यालयों को मिलाकर परीक्षा केन्द्रों को बनाया गया है जिससे परीक्षा कराना सुगम हो गया है तथा नकल पर भी रोक लगी है।
19. परीक्षा परिणाम घोषित होने के साथ ही उनके द्वारा प्राप्त अंको का विवरण ऑन-लाईन परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराया जाता है।
20. छात्र-छात्राओं की मांग पर उनकी मूल्यांकित लिखित उत्तरपुस्तिकाओं को उनके अवलोकनार्थ ऑन-लाईन उपलब्ध किये जाने की व्यवस्था प्रारम्भ की गयी है तथा असन्तुष्ट छात्र-छात्राओं द्वारा आवेदन करने पर उनकी मूल्यांकित लिखित उत्तरपुस्तिकाओं का शुचितापूर्ण परिनिरीक्षण (Scrutiny) कराया जाता है।
21. अपनी लिखित उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन से असन्तुष्ट छात्र-छात्राओं के लिये चुनौती मूल्यांकन (Challenge Evaluation) की व्यवस्था की गयी है।

22. विश्वविद्यालय द्वारा संस्थागत एवं व्यक्तिगत परीक्षाओं को एक साथ कराया जाता है, जिससे कि परीक्षाओं पर प्रभावी प्रशासनिक नियन्त्रण सम्भव होता है।
23. विश्वविद्यालय के कर्मचारियों तथा शिक्षकों का सेवा अभिलेख कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है।
24. भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की National Academic Depository बनाने की योजना में प्रतिभाग किया जा रहा है।
25. विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों की संख्या एवं उनकी आवश्यकताओं को देखते हुये एक नये पुरुष छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण होने के निकट है।
26. विश्वविद्यालय के पूर्व दिशा में स्वर्ण जयन्ती द्वार का निर्माण कराया गया है।
27. "विद्यावाणी" कार्यक्रम का प्रसारण प्रत्येक बृहस्पतिवार को रेडियो सिटी एफ-एम 103.7 मीटर बैंड पर सांय 6.30 तक किया जाता है जिससे दूरस्थ तथा साधन हीन छात्र लाभान्वित हों। विद्यावाणी ने अद्यतन अपने 33 प्रसारण सत्र पूरे किये हैं।

मेरे द्वारा लिये गये ये निर्णय विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग एवं सहायता के कारण प्रभावी रूप से क्रियान्वित हो सके हैं। मैं, इन सभी को इनके सहयोग एवं सहायता हेतु बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ।

अकादमिक विशिष्टताएं :

श्रीमन्, शोध एवं अकादमिक कार्य उस प्रक्रिया की आत्मा होते हैं, जिसकी चरम परिणति शिक्षार्थियों के संस्कारों को स्वरूप देने एवं मष्टिक को व्यवस्थित करने में होती है। हमारे विश्वविद्यालय द्वारा सेमिनार, कान्फरेन्स, कार्याशालाओं एवं विश्वविद्यालय से बाहर के विशेषज्ञ विद्वानों के आमंत्रित व्याख्यानों के माध्यम से शिक्षार्थियों के अकादमिक एवं बौद्धिक गुणवत्ता के विकास की ओर गम्भीर प्रयास किए गये हैं तथा किये जा रहे हैं। हम अपने शिक्षकों को भारत में एवं विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों में जाने के लिये उत्साहित करते हैं एवं सुविधाएँ प्रदान करते हैं, जिससे कि वे नवीनतम खोज एवं अन्वेषणों से अपने विद्यार्थियों को लाभान्वित करने हेतु अपने ज्ञान को नवीनतम् जानकारी से पूर्ण कर सकें। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अकादमिक, सांस्कृतिक एवं शोध प्रयासों का विवरण निम्नवत् है :-

हम 2016-17 में विश्वविद्यालय का स्वर्ण जयन्ती वर्ष मना रहे हैं।

- 01.01.2017 हेल्थ सांइसेज इंस्टीट्यूट तथा प्रयत्न संस्था द्वारा आयोजित युवा समागम में प्रो० सी०एम० सिंघल, पूर्व विभागाध्यक्ष शल्य, जी०एस०वी०एम० मेडिकल कालेज को उनके चिकित्सा विज्ञान तथा समाज सेवा क्षेत्रों में किये गये उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया।
- 02.01.2017 से 06.01.2017 – 32वें उत्तर क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालयी युवा महोत्सव का आयोजन हमारे विश्वविद्यालय ने किया जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के राज्यों के 30 विश्वविद्यालय सक्रिय प्रतिभागी रहे।
- 21.01.2017 – रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा बी०टेक०, बी०सी०ए० तथा एम०सी०ए० छात्रों हेतु रुचि एवं तार्किकता पर संयुक्त परीक्षा का आयोजन।
- 25.01.2017 – 7वें मतदाता दिवस के अवसर पर कुलपति ने सभी प्रतिभागियों को अपना मतदान करने की शपथ दिलायी।
- 28.01.2017 – विश्वविद्यालय के रोजगार प्रकोष्ठ ने बी०टेक०, बी०सी०ए० तथा एम०सी०ए० विद्यार्थियों हेतु— “तकनीकी शिक्षा उपरान्त अच्छे सेवाकाल के निर्माण” विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की।
- 31.01.2017 – “इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस मैनेजमेंट” (आई०बी०एम०) द्वारा – इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम पर आयोजित कार्यशाला में श्री परविन्दर सिंह ने उक्त विषय पर प्रकाश डाला।
- 02.02.2017 – आई०बी०एम० ने “नवयुगीन विपणन” (New Agc Markiting) पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो० प्रेम मोहन तथा गौरहरि सिंघानिया संस्थान के श्री शेखर त्रिवेदी ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की। पंचम सत्र में डा० शमीम अन्सारी, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय तथा डा० ज्ञान प्रकाश, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय संसाधन व्यक्ति (Resource persons) रहे।

- 08.02.2017 – आई0बी0एम0 ने प्रेक्षागार में “ आर्थिक साक्षरता” पर संगोष्ठी आयोजित की, जिसमें श्री प्रवीण कुमार द्विवेदी ने आयकर बचत, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा योजनाओं तथा नयी पेंशन योजना को रेखांकित कर व्याख्यान दिया।
- 09.02.2017 – इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी द्वारा “ टेक्नो-स्पंदन” कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। इसमें प्रो0 विनय कुमार पाठक, माननीय कुलपति ए0के0टी0यू0 लखनऊ मुख्य अतिथि रहें तथा प्रो0 भरत लोहानी, आई0आई0टी0 कानपुर ने “ऑन्टर प्रेन्योरशिप : एक्सपीरिएन्सेज इन स्टार्ट अप” शीर्षक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 11.02.2017 – आई0बी0एम0 द्वारा “मानवीय मूल्यों का व्यावसायिक जीवन एवं शिक्षा में महत्व” विषय पर कराये व्याख्यानों में प्रो0 एल0टी0 ग्यात्सो, निर्देशक, इंस्टीट्यूट आफ लैंग्वेज एण्ड कल्चर स्टडीज” ने छात्रों को सम्बोधित किया। प्रो. टी0एम0लिन एवं उनके सहायक प्रो0 चूमिंग तथा प्रो0 यी0ए0 चिओ जोजेफ ने छात्रों को अन्तर-राष्ट्रीय शिक्षण से अवगत करा उनकी उत्सुकताओं को भी शान्त किया।
- 11.02.2017 से 12.02.2017 – दीनदयाल शोध केन्द्र की प्रेरणा से “महात्मा गॉंधी एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक विचारों में समानता” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन विद्यामंदिर महाविद्यालय, कायमगंज, फर्रुखाबाद में हुआ जिसमें शोध केन्द्र निदेशक डा0 श्याम बाबू गुप्त उद्घाटन सत्र में विषय व्याख्याता रहे।
- 20.02.2017 – सी0एस0ई0 तथा सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के 9 बी0टेक0 छात्र पी-3 लैब्स बेंगलोर हेतु रोजगार अभियान के अन्तर्गत चयनित हुये।
- 21.02.2017 – शिक्षा विभाग द्वारा “अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस” मनाया गया जिसमें प्रो0 सुभाष चन्द्र अग्रवाल, अधिष्ठाता शिक्षा संकाय, प्रो0 मृदुला भदौरिया, डा0 अंशु यादव एवं बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रतिभागिता की। मातृभाषा में नारों, पोस्टरों तथा काव्य पाठ पर एक प्रतियोगिता आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

- 22.02.2017 – शिक्षा विभाग द्वारा “शिक्षक – शिक्षण की चुनौतियों” विषय पर एक विशेष व्याख्यान कराया गया, जिसमें प्रो० नबी अहमद, पूर्व अध्यक्ष, शिक्षा विभाग तथा शिक्षकों ने अपने विचार रखें।
- 23.02.2017 – सी०एस०ई० तथा सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के कुछ और बी०टेक० छात्रों का चयन रोजगार अभियान के अन्तर्गत हुआ।
- 23.02.2017 – स्वर्ण जयन्ती वर्ष में माननीय राम नाईक, राज्यपाल तथा कुलाधिपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर ने “विद्यावाणी कार्यक्रम” का उद्घाटन उद्बोधन करते हुये कहा कि यह नवाचार अन्य संस्थाओं के लिये प्रेरक होगा। कुलपति ने अपने सम्बोधन में सम्प्रति विश्वविद्यालय की उन्नत व्यवस्था प्रबंधन का परिचय दिया। इस उद्घाटन सत्र में “पोयेट्री एवं पोयटिक्स” विषय पर प्रो० संजय कुमार स्वर्णकार द्वारा एक व्याख्यान भी दिया गया।
- 23.02.2017 – विश्वविद्यालय स्थित दीनदयाल शोध केंद्र के निदेशक को “पण्डित दीनदयाल के एकात्म मानव दर्शन” पर व्याख्यान देने हेतु सुन्दरलाल व्यावसायिक संस्थान, भोपाल द्वारा आमंत्रित किया गया।
- 25.02.2017 से 26.02.2017 – अकादमिक संसाधन केन्द्र के तत्वावधान में यू०आई०ई०टी० द्वारा शिक्षकों हेतु आधार भूत आई०सी०टी० कुशलताओं, ई-शिक्षण तथा मुक्त आनलाइन पाठ्यक्रमों का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रो० के०वी० भानुमूर्ति तथा डा० अरुण जुल्का, गुरु अंगद देव टीचिंग लर्निंग सेन्टर, दिल्ली ने इस कार्यशाला का संचालन किया।
- 25.02.2017 – कोक्यूब्स डॉट काम द्वारा विभिन्न कम्पनियों के लिये संचालित “ऑनलाइन परीक्षा” में बी०टेक० अन्तिम वर्ष के छात्रों ने भाग लिया।
- 26.02.2017 – प्रौढ़ एवं सतत शिक्षण विभाग ने “ग्राम सम्पन्नता परियोजना तथा कृषकों का प्राकृतिक कृषि हेतु प्रशिक्षण” पर कार्यशाला आयोजित की जिसके समन्वयक

- डा0 यू0 श्रीवास्तव ने छात्रों को यह प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये प्रोत्साहित किया।
- 02.03.2017 – रूस (RUSA) मूल्यांकन के अधीन एक समिति की बैठक में उपकरण प्राप्ति पर विचार किया गया तथा इस हेतु रू0 2,58,225/- की राशि स्वीकृत की गयी जिससे विभिन्न विभागों में उपकरण क्रय किये जा सके।
- 02.03.2017 – सोनीपत, हरियाणा में आयोजित “वर्ल्ड स्कूल डिजाइन” में बी0एफ0ए0 द्वितीय वर्ष (ललित कला) की छात्रा सुश्री पूजा यादव को “ब्रश स्ट्रोक” शैली में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- 03.03.2017 – “ईयर केयर दिवस” पर इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थसाइंसेस द्वारा आयोजित “काक्लीयर इम्प्लान्ट, इट्स फंक्शन्स, सिग्नीफिकेन्स एण्ड प्रॉपर केयर” में कानपुर नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आर0पी0 यादव ने प्रो0 रोहित मेहरोत्रा के संस्थान लेट एस0एन0 मेहरोत्रा मेमोरियल ई0एन0टी0 फाउन्डेशन के कार्यों की सराहना की।
- 08.03.2017 – राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वविद्यालय ईकाई द्वारा 42वें अन्तर राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में “इण्डियन कल्चर एण्ड वूमन/ इम्पावरमेंट” विषय पर एक सेमिनार कराया गया।
- 20.03.2017 – बी0टेक0 की सी0एस0ई0 तथा आई0टी0 शाखा के छात्रों ने इनफारमेटिका कम्पनी द्वारा रोजगार प्रकोष्ठ के अधीन रोजगार अभियान में भाग लिया।
- 25.03.2017 – बी0टेक0 तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के छात्रों हेतु ‘टिफ्स फार जाब इंटरव्यूज’ पर एक संगोष्ठी संचालित की गयी।
- 29.03.2017 – कार्यपरिषद ने प्रबन्धक, कमला नेहरू परास्नातक महाविद्यालय तेज गॉव, रायबरेली द्वारा प्रदत्त एक करोड़ रुपये की राशि को धन्यवाद पूर्वक मान्य करते हुए इसे विश्वविद्यालय कोष में जमा कराने का अनुमोदन किया।

- 30.03.2017 – विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवायोजना इकाई में शिक्षकों, अधिकारियों, छात्रों एवं कर्मचारियों की सहभागिता से स्वच्छता अभियान चलाया।
- 18.04.2017 से 19.04.2017 – बी0टेक0 छात्रों ने को-क्यूब्स द्वारा संचालित परिसर परीक्षा में भाग लिया।
- 20.04.2017 – 21.04.2017 श्री सत्यदेव पचोरी, माननीय मंत्री, उत्तर प्रदेश शासन ने विश्वविद्यालय द्वारा बहुउद्देश्यीय भवन में आयोजित दो दिवसीय “एडूफेस्ट” का उद्घाटन किया। प्रेरक वक्ता श्री अरुणेन्द्र सोनी ने विद्यार्थियों को अपने अध्ययन सम्बन्धी क्षेत्र में सेवा अन्वेषण के मूल संकेत भी दिये।
- 20.04.2017 – मेरा अपना एक लेख “इण्डियन एक्सप्रेस” के उत्तर प्रदेश संस्करण में “ह्यूमन वैल्यूज ए मस्ट फार द स्टुडेण्ट्स” शीर्षक से प्रकाशित हुआ।
- 04.05.2017 – 20.05.2017 एल0एल0बी0 तथा बी0ए0 एल0एल0बी0 (पाँच वर्षीय पाठ्यक्रम) की परीक्षाएँ 04.05.2017 को आरम्भ तथा 20.05.2017 को समाप्त हुयी। उक्त सभी परीक्षाएँ शुचिता पूर्वक कराने हेतु शासकीय या सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में ही सम्पन्न करायी गयी।
- 16.05.2017 – 29.05.2017 बी0ए0एम0एस0 तथा बी0यू0एम0एस0 के प्रश्नपत्र सम्बन्धित परीक्षा केन्द्रों को यूनियन बैंक आफ इण्डिया की निकटतम शाखा के माध्यम से परीक्षा प्रारम्भ के 45 मिनट पूर्व उपलब्ध कराये गये, परीक्षा पर सी.सी.टी.वी. द्वारा निरन्तर दृष्टि रखी गयी तथा प्रत्येक परीक्षा की समाप्ति पर यूनियन बैंक की उसी शाखा में 45 मिनट के अन्दर ही उत्तर पुस्तिकाएँ जमा करायी गयी।
- 31.05.2017 – शिक्षा विभाग द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया जिसमें विभिन्न विभागों के शिक्षकों, विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा जीवन में कभी भी तम्बाकू सेवन न करने की शपथ ली।
- 05.06.2017 – विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में बड़े स्तर पर पौधा रोपण किया

गया।

- 12.06.2017 – 20.06.2017 शारीरिक शिक्षा विभाग में विश्वविद्यालय के बहुउद्देश्यीय भवन में योग शिविर आयोजित किया जिसमें पंतजलि पीठ के योगाचार्यों ने शिक्षकों, अधिकारियों, छात्रों तथा परिवारजनों को प्रशिक्षित किया।
- 14.06.2017 – इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज के तत्वाधान में “भावना सोसाईटी फार डिसेबल्ड” द्वारा दिव्यांगों हेतु एक कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री ओपी राजभर, माननीय मंत्री, उ०प्र० शासन थे।
- 20.06.2017 – रोजगार प्रकोष्ठ (Placement Cell) तथा रोजगार मंत्रालय (Ministry for Employment) द्वारा “रोजगार परामर्श” कार्यक्रम में छात्रों को उनके सेवा कार्य सम्बन्धी जानकारियाँ दी गयी।
- 21.06.2017 – विश्वविद्यालय परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में शिक्षकों, छात्रों, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।
- 02.07.2017 – शारीरिक शिक्षा विभाग तथा भारत सरकार के युवा एवं क्रीड़ा मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में “कैरियर प्रास्पेक्ट्स थ्रू एडवेंचर स्पोर्ट्स” पर आयोजित संगोष्ठी में छात्रों ने सक्रिय भाग लिया।
- 03.07.2017 – 07.07.2017 आराम पार्क, राम नगर, दिल्ली ने होटल के०के०, करोलबाग, नई दिल्ली, में नमामि गंगे कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में “कृष्ण तथा गौ” विषय पर एक चित्रकला-कार्यशाला आयोजित की जिसमें ललित कलाओं के दो विद्यार्थियों- श्री एकलव्य तथा सुश्री इन्दु कनौजिया इस विश्वविद्यालय से प्रतिभागी थे।
- 05.07.2017- सेन्टर फार एकेडिमिक्स में विद्वत् परिषद् की बैठक में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों में उन्नयन सम्बन्धी प्रस्ताव स्वीकृत किये गये।
- 17.07.2017- इंस्टीट्यूट आफ लीगल स्टडीज में एल.एल.एम. का दिशा निर्धारण कार्यक्रम हुआ तथा उनकी कक्षाएँ 18.07.2017 का आरम्भ कर दी गयी।

- 18.07.2017— राष्ट्रीय सेवा योजना—विश्वविद्यालय इकाई द्वारा छात्रों को इस योजना में पंजीकरण कराने हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया गया।
- 20.07.2017— विश्वविद्यालय एवं रोटरी क्लब के संयुक्त अभियान द्वारा चलाये गये पौधारोपण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षको छात्रों अधिकारियों अन्य कर्मचारियों तथा रोटरी क्लब के सदस्यों द्वारा पौधे लगाये गये।
- 20.07.2017— होटल तथा पर्यटन प्रबन्धन के अन्तर्गत एक “पर्यटन परामर्श” कार्यशाला करायी गयी। जिसमें श्रीमती बारबारा मिरर ने 65 देशों के अनुभव, छात्रों एवं शिक्षकों से साझा किये।
- 27.07.2017— इंस्टीट्यूट आफ फार्मसी में प्रो. जी.एस.तोमर ने आयुर्वेद विज्ञान पर एक भाषण दिया, साथ ही विभाग के अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।
- 29.07.2017—30.07.17 इंस्टीट्यूट आफ बायोसाइंसेज एण्ड बायोटेक्नोलाजी ने बायोसाइंसेज एण्ड बायोटेक्नोलॉजी—2017 हेतु दो दिवसीय मुक्त उन्मुखीकरण कार्यक्रम संचालित किया।
- 01.08.2017— इंस्टीट्यूट आफ होटल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेण्ट द्वारा एक यात्रा वार्ता आयोजित की गयी जिसमें इंग्लैण्ड के श्री विलियम तथा माइकल हाथार्न ने संस्था के छात्रों से वार्ता की तथा उनके प्रश्नों के उत्तर दिये।
- 08.08.2017— बी0टेक, बी.सी.ए तथा एम.सी.ए प्रथम वर्ष छात्रों का उन्मुखीकरण (orientation) कार्यक्रम हुआ तथा उनकी कक्षायें 18.08.2017 से आरम्भ की गयी।
- 09.08.2017— यू.जी.सी तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में विश्वविद्यालय के प्राशसनिक भवन में ‘शपथ समारोह’

आयोजित किया गया।

- 10.08.2017— विश्वविद्यालय परिसर स्थित बहुउद्देशीय भवन में एक भव्य पुस्तक मेला 12.08.2017 आयोजित किया गया जिसमें लगभग सभी विषयों की पुस्तकें प्रदर्शित कर छात्रों, शिक्षकों तथा बाहरी आगन्तुकों को अवमूल्यन पर बिक्रित की गयी।
- 15.08.2017— स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने "स्वच्छता अभियान" चलाया जिसमें पौधारोपण सम्बन्धी जागरूकता का कार्यक्रम भी हुआ।
- 19.08.2017— बी.एस.बी.टी. इंस्टीट्यूट द्वारा "ट्रेंड्स इन बायोसाइंसेज, रिसेन्ट डिवेलपमेन्ट एण्ड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स" पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। प्रो.यू.एन. द्विवेदी, प्रति-कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि तथा प्रमोद टंडन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बायो टेक पार्क, लखनऊ, मुख्य वक्ता थे।
- 19.08.2017— इंस्टीट्यूट आफ होटल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेन्ट द्वारा "व्यक्तित्व विकास" पर संगोष्ठी आयोजित की जिसमें ब्रह्मकुमारी प्रजापति ईश्वरीय विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने छात्रों को आदर्श जीवन शैली की उपादेयता तथा व्यवहारिकता से परिचित कराया।
- 01.09.2017— 07.04.2017 इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइन्सेज ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन किया तथा इसमें वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का भी आयोजन किया।
- 04.09.2017— विश्वविद्यालय द्वारा प्रेक्षागार में "नवरस कवि सम्मेलन" का भव्य आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्षीय संबोधन लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. बी.के. निगम ने दिया। इसमें मुख्य अतिथि इसी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एच.के. सहगल तथा विशिष्ट अतिथि निवर्तमान नगर प्रमुख कानपुर श्री (कै0) जगतवीर सिंह द्रोण

रहे ।

- 05.09.2017— हेल्थ साइन्सेज के सम्मेलन भवन में आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये ।
- 08.09.2017— विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रो. आर.पी. सिंह ने "दि इमर्जिंग इश्यूज आफ रिसर्च इन इंग्लिश" पर एक व्याख्यान दिया ।
- 11.09.2017— यू.जी.सी. नई दिल्ली के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों हेतु माननीय प्रधानमंत्री के भाषण का सजीव प्रसारण हेल्थ साइन्सेज के सम्मेलन कक्ष में प्रदर्शित किया ।
- 16.09.2017— बी0टेक0 तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष छात्रों के लिये ऊर्जा दक्षता पर एक संगोष्ठी हुयी ।
- 21.09.2017— दीन दयाल शोध केन्द्र ने एक भाषण प्रतियोगिता—" मेरे सपनों का भारत", विषय पर आयोजित की, जिसमें विश्वविद्यालय एवं इससे सम्बद्ध महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्रों का चयन कर उनमें से सर्वोत्तम विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया ।
- 22.09.2017— अकादमिक संसाधन केन्द्र की परामर्श समिति ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया कि विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम सम्बन्धी विषय पर छोटे छोटे दृश्य श्रव्य कार्यक्रम "यू ट्यूब" पर उपलब्ध कराये ।
- 22-23.09.2017 — पोषण विज्ञान तथा खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग तथा बायोसाइन्सेज एवं बायोटेक्नोलॉजी संस्थान ने "क्वालिटी कंट्रोल एण्ड फूड हाइजिन" पर दो दिवसीय कार्यशाला संचालित की ।

26.09.2017—

अन्तर्राष्ट्रीय अतिथि ग्रह में विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया ।

05.10.2017—

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय ने यू.आई.ई.टी-4 भवन का लोकापर्ण तथा इसके पूर्व भवन के समक्ष एक पौधा भी रोपित किया ।

इसी क्रम में माननीय कुलाधिपति महोदय ने विधिक निदान परामर्श प्रकोष्ठ का भी उद्घाटन किया । यह प्रकोष्ठ साधन हीन व्यक्तियों की सहायताार्थ उपलब्ध होगा ।

05.10.2017—07.10.2017—इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ साइंसेज ने एक तीन दिवसीय “इंटरनेशनल कान्फरेंस आन फाइट अगेंस्ट कैंसर” का आयोजन विश्वविद्यालय प्रेक्षागार में किया गया । इस सम्मेलन का उद्घाटन मा० राज्यपाल तथा कुलाधिपति महोदय ने किया । इसके प्रमुख वक्ता प्रो० सी.वी.राव, फ्लोरिडा, यू.एस.ए., प्रो० एच.आर. चित्मे, ओमान, डॉ० एच.एस. शर्मा, नीदरलैण्ड्स, डा० एस.रमाशा, मारिशस, डा० एम.वियानी, जापान, प्रो० मनसरोज, थाइलैण्ड आदि थे । प्रो० अशोक कुमार, इस विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, इसके अध्यक्ष थे ।

प्रसार गतिविधियां : मानवता के सेवार्थ शिक्षा

श्रीमन्, हम वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की दशा से परिचित हैं जो कुछ विषय क्षेत्रों में सैद्धान्तिक होती जा रही हैं । शिक्षा को मानवता के हितार्थ प्रयोग किया जाना चाहिए और यह केवल प्रसार गतिविधियों से ही संभव है । शिक्षण—ज्ञानार्जन प्रक्रिया अपने उद्देश्यों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य को उस समय पूर्ण करती है जब यह शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को मानवजाति की सेवा के लिये औपचारिक शिक्षण कक्षों की सीमाओं से बाहर लाती है । इस दिशा में विश्वविद्यालय अपने कर्तव्यों के प्रति सजग है और हमने समाज—कार्य विभाग, प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा विभाग, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज एवं विश्वविद्यालय की एन०एस०एस० इकाई को न केवल विश्वविद्यालय परिसर में अपितु इससे बाहर भी मानवजाति के बृहद कल्याण हेतु प्रभावी कदम उठाने के लिये सज्जित किया है । इनमें निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, रक्तदान शिविर एवं समुदाय एवं पर्यावरण की सेवा हेतु बहुत सी गतिविधियां एवं कार्यक्रम सम्मिलित हैं । पर्यावरण को प्रदूषण के खतरों से सुरक्षित रखने हेतु विश्वविद्यालय ने परिसर में धूम्रपान प्रतिबन्धित किया है । वृक्षों की सूख कर गिरी पत्तियों को विश्वविद्यालय परिसर में जलाया नहीं जाता है अपितु उनका प्रयोग कम्पोस्ट खाद बनाने में किया जाता है । विश्वविद्यालय ने कूड़ा एवं सीवेज के उचित

निस्तारण हेतु अपना तंत्र विकसित किया है। विश्वविद्यालय का अपना सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट (एस0टी0पी0) है जो कि सीवेज को वॉछित शुद्धता के मानक के साथ निस्तारित करेगा। श्रीमन्, इन्सटीट्यूट ऑफ हैल्थ सांइसेज में हमारे पास 10 बिस्तरों की क्षमता वाला एक हैल्थ केयर सेन्टर है। इसमें आर्थराइटिस क्लीनिक एवं मेडिसिन, आर्थोपेडिक्स, गाइनेकोलॉजी आफथेलमोलॉजी ई0एन0टी0, डेन्टल, साइकियाट्री एवं साइकालॉजी की ओ0पी0डी0 है। हैल्थ केयर सेन्टर में समुचित सुविधाओं से सज्जित एक फिजियाथेरीपी केन्द्र है। विश्वविद्यालय अपने परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों के साथ-साथ बाहर के रोगियों को भी विशेषज्ञ चिकित्सों की सेवाएं उपलब्ध करता है।

केन्द्रीय ग्रन्थालय : दिव्यांगों के प्रति वचनबद्ध

हमारे विश्वविद्यालय में एक सुसज्जित केन्द्रीय ग्रन्थालय है जो विभिन्न विभागों एवं संस्थानों में चलाये जा रहें पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं की आवश्यकता की पूर्ति करता है। केन्द्रीय ग्रन्थालय त्वरित एवं छात्र-हित की सेवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का सक्षम प्रयोग कर रहा है।

श्रीमन्, हम अन्यथा सक्षम व्यक्तियों (दिव्यांगों) के समक्ष अध्ययन एवं शोध में आने वाली विशिष्ट चुनौतियों के विषय में अपने कर्तव्यों के प्रति सजग हैं। विश्वविद्यालय द्वारा उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के दृष्टिगत उनकी सहायता कर उन्हें स्वयं की सहायता करने योग्य बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। विश्वविद्यालय का केन्द्रीय ग्रन्थालय अन्यथा सक्षम व्यक्तियों के प्रयोग हेतु एक दृश्य-श्रव्य प्रयोगशाला से सज्जित है। इस प्रयोगशाला में ब्रेल (Brail) लिपि के प्रयोग, मौखिक भाषा को लिखित एवं लिखित भाषा को श्रवण हेतु उपलब्ध कराने वाले परिवर्तक एवं स्कैन बुक रीडर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में बाजुओं से असमर्थ विद्यार्थियों के प्रयोग हेतु पैर द्वारा चालित पैडल माऊस भी उपलब्ध है। हमने इस प्रयोगशाला को विश्वविद्यालय के बाहर से आने वाले अन्यथा सक्षम विद्यार्थियों के प्रयोग के लिये भी खोला हुआ है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय ग्रन्थालय INFLIBNET केन्द्र की शोधगंगा परियोजना का सदस्य है, जो कि शोध छात्रों को पी-एच.डी. शोध प्रबन्ध जमा करने और उसे मुक्त सुलभता (open access) के अन्तर्गत सर्वसुलभ कराने हेतु आधार प्रदान करती है। केन्द्रीय ग्रन्थालय में शोधछात्रों द्वारा प्रस्तुत 144 भारतीय विश्वविद्यालयों में 10000 से अधिक शोध प्रबन्धों की उपलब्धता को पा सकता है। केन्द्रीय ग्रन्थालय वाई-फाई (Wi-Fi) से सुसज्जित है। वर्तमान में इस ग्रन्थालय के प्रयोगकर्ता एवं शोध छात्र आन लाइन फुल टैक्स्ट शोध पत्रिकाओं, लघुशोध प्रबन्धों एवं शोध प्रबन्धों को वाई-फाई चालित लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट आदि के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्ध

महाविद्यालयों के लिये डिजिटल लाइब्रेरी कन्सॉर्टियम विकसित किया है। इस कन्सॉर्टियम के सदस्य केन्द्रीय ग्रन्थालय के ऑनलाइन शोध प्रबन्ध तथा अन्य E-Resources को प्रयोग कर सकते हैं।

खेलकूद :

श्रीमन्, स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मष्तिष्क निवास करता है तथा पूर्ण व्यक्ति वही होता है जो शरीर एवं आत्मा का पोषण करता है। एक विद्यार्थी के जीवन में खेलकूद भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं जितनी कि शिक्षण – ज्ञानार्जन प्रक्रिया, जो कि विश्वविद्यालय के शिक्षण कक्षों में सम्पादित होती है। मेरा विश्वविद्यालय विभिन्न खेलकूद सम्बन्धी उपयुक्त सज्जित अवस्थापना सुविधाओं से युक्त है। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने सदैव ही खेलकूद के स्तरीय कार्यक्रमों के आयोजनों के अतिरिक्त सांस्कृतिक, सामाजिक एवं अकादमिक गतिविधियों के आयोजन में भी योगदान किया है।

संगणक केन्द्र : विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकताएँ :

उच्चतर शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने अध्यापन के परंपरागत साधनों में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन लाया है। एक विश्वविद्यालय का अकादमिक, प्रशासनिक तथा शोध गतिविधियों में तभी प्रभावी होता है जब वह सूचना प्रौद्योगिकी का सम्यक प्रयोग करता है। हमारे विश्वविद्यालय में आवश्यक संयंत्रों से सुसज्जित एक संगणक केन्द्र है। संगणक केन्द्र छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की आई.सी.टी. से सम्बन्धित सेवाओं की धुरी है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (NKN) के माध्यम से विश्वविद्यालयव्यापी नेटवर्क की स्थापना के साथ संगणक केन्द्र, विश्वविद्यालय एवं इसके सम्बद्ध महाविद्यालयों की आई.सी.टी. आवश्यकताओं को पूर्ण करने के क्षेत्र में अनुपम स्थान रखता है।

वर्तमान में लगभग 19 से अधिक सर्वर एवं 50 से अधिक स्विच, रूट्स, वाई-फाई-ए.पी. एवं सुरक्षा युक्तियों से युक्त लगभग 725 नोड्स नेटवर्क से जुड़े हैं। देशव्यापी सभी प्रमुख शिक्षण एवं शोध संस्थानों से संसाधन साझा करने हेतु विश्वविद्यालय के सभी विभाग एन.के.एन. से जुड़े हैं। विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विभागों को 1.0 जी.बी.पी.एस. बैंडविड्थ के प्रयोग से इण्टरनेट सहित आई.सी.टी. सेवायें प्रदान की जाती हैं।

विश्वविद्यालय का संगणक केन्द्र विश्वविद्यालय के शिक्षकों, स्टाफ, विद्यार्थियों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों को विभिन्न सेवायें प्रदान करता है। इन सेवायें में निम्न सेवायें सम्मिलित हैं :

- परिसरव्यापी नेटवर्क की डिजाइनिंग, प्रसार एवं देखरेख ।
- परीक्षा से सम्बन्धित एवं अन्य कार्य हेतु सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिये कॉलेज लॉग-इन जैसे भुगतान गेटवेज़ को वेब आधारित अप्लीकेशन डवलेपमेन्ट द्वारा विकसित करना। ऑन-लाइन प्रार्थना पत्र जमा करने तथा काउन्सिलिंग, विश्वविद्यालय की सभी परीक्षाओं हेतु ऑन-लाइन प्रार्थना पत्र जमा करना, उत्तर पुस्तिकाओं को देखने हेतु प्रार्थना पत्र ऑन-लाइन जमा करना, प्रोविजन प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र ऑन-लाइन जमा करना तथा प्रवजन प्रमाण पत्रों को जनरेट करना, उपाधि प्रमाण पत्रों को जारी करने हेतु प्रार्थना पत्र जमा करना तथा प्रवजन प्रमाण पत्रों के लिये निवेदन ऑन-लाइन जमा करना तथा प्रवजन प्रमाण पत्रों को जनरेट करना आदि ।
- अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों को अन्तिम वर्ष की एकीकृत (Consolidated) अंकपत्र जारी करना तथा अंकपत्रों को सभी विद्यार्थियों के लिये ऑन-लाइन प्रदर्शित करना ।
- सम्बद्धता पूर्व अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु तथा सम्बद्धता हेतु प्रार्थना पत्रों को जमा कराने हेतु तथा ऑन-लाइन सम्बद्धता से सम्बन्धित कार्य की सुविधा प्रदान करने एवं सत्र 2016-17 तथा इससे आगे प्रार्थना पत्रों की मॉनीटरिंग हेतु वेब आधारित सॉफ्टवेयर माड्यूल ।
- अकादमिक तथा प्रशासनिक उद्देश्यों हेतु सर्वर की होस्टिंग ।
- इन्वेन्ट्री प्रबन्धन, सम्बन्धन प्रबंधन, डिग्री प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, पे-रोल प्रबंधन, अकादमिक प्रबंधन तथा केन्द्रीय मूल्यांकन एवं परीक्षा प्रबन्धन जैसे प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संपादन हेतु लैन आधारित सॉफ्टवेयर माँड्यूल को विकसित करना एवं देखरेख करना ।

श्रीमन्, अस्तित्व की वर्तमान परिस्थितियों में ज्ञान के अन्तर्विषयी एवं पराविषयी दृष्टिकोणों ने कला, विज्ञान एवं समाज विज्ञान के नियम परिवर्तित कर दिये हैं। आज हम वर्तमान जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उच्च विशिष्टताओं एवं विशेषज्ञताओं से युक्त विषय क्षेत्रों की खोज कर रहे हैं। हम आज के वैश्विक परिदृश्य में अकेले नहीं रह सकते अतः हमें दूसरे देशों की संस्थाओं के सापेक्ष खड़ा होना होता है। हम जानते हैं कि भारतीय शिक्षण संस्थाओं को विश्व रैंकिंग में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिये और अधिक परिश्रम करना होगा। किन्तु यह भी सत्य है कि भारतीय ऋषियों एवं उनके गुरुकुलों की परंपराओं की भी अनदेखी नहीं की जा सकती है। कोई भव्य संरचना बिना कार्य के एक शानदार निरर्थकता होती है तथा बिना समुचित संरचना के कोई कार्य एक शानदार असम्भावना होती है। अन्तिम रूप से मैं यह कहूँगा कि प्रकाश की चिंगारीयुक्त मिट्टी का दिया भी उस स्वर्ण के दीपक से श्रेष्ठ है जिसमें कोई चिंगारी अथवा प्रकाश न हो।

शिक्षण-शिक्षार्जन की प्रक्रिया की सफलता नये क्षेत्रों को खोलने एवं नये विचारों को स्फुटित करने में है और यह विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की ओर सधे कदमों से अग्रसर है।

मैं, एक बार पुनः इस दीक्षान्त समारोह में उपाधि एवं पदक प्राप्तकर्ताओं को बधाई देते हुये समापन करना चाहूँगा। मैं, दीक्षान्त समारोह के अध्यक्ष, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश के राज्यपाल परम आदरणीय श्री राम नाईक को इस दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता कर हमें प्रेरित करने हेतु गहन हृदयानुभूत धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं, अपने मुख्य अतिथि, प्रो. के. बी. पाण्डेय जी एवं विशिष्ट अतिथि, प्रो. दिनेश शर्मा जी को आज हमारे मध्य उपस्थित रहने के लिये हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

धन्यवाद !

जय हिन्द !

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
पदकों की तालिका
वर्ष -2017
(अ)

कुलाधिपति पदक प्राप्तकर्ता :-

- | | | |
|--------------------------------|--|-------------------|
| 1. कुलाधिपति स्वर्ण पदक | विश्वविद्यालय के समस्त संकायों में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए
एकता पटेल (अनुक्रमांक: 8200560)
(एम.ए.; ड्राइंग एण्ड पेंटिंग)
डी.जी. कालेज, कानपुर | 838 / 1000 83.80% |
| 2. कुलाधिपति रजत पदक | विश्वविद्यालय के समस्त संकायों के स्नातकोत्तर कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए
एकता पटेल (अनुक्रमांक: 8200560)
(एम.ए.; ड्राइंग एण्ड पेंटिंग)
डी.जी. कालेज, कानपुर | 838 / 1000 83.80% |
| 3. कुलाधिपति रजत पदक | विश्वविद्यालय की सर्वश्रेष्ठ छात्रा के लिए
एकता पटेल (अनुक्रमांक: 8200560)
(एम.ए.; ड्राइंग एण्ड पेंटिंग)
डी.जी. कालेज, कानपुर | 838 / 1000 83.80% |

4. कुलाधिपति कांस्य पदक विश्वविद्यालय की बी0ए0 अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ छः विद्यार्थियों के लिए

1. सपना सिंह राठौर (अनुक्रमांक: 3188292)
आचार्य नरेन्द्रदेव नगर निगम महिला महाविद्यालय, कानपुर
710 / 900 78.88%
2. कु. दिव्यांशी शाहू (अनुक्रमांक: 313442)
श्रीमती गिरिजा देवी महिला महाविद्यालय, फतेहपुर
701 / 900 77.88%
3. अंशिका (अनुक्रमांक: 3230046)
बाबू पं. रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी महाविद्यालय, रायबरेली
696 / 900 77.33%
4. मेहर फातमा (अनुक्रमांक: 3172100)
चौ0 सुरेन्द्र सिंह महिला टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, कन्नौज
689 / 900 76.55%
5. आदेश कुमार (अनुक्रमांक: 3174637)
डी.ए.वी. कालेज, कानपुर
685 / 900 76.11%
- कु. नम्रता सिंह (अनुक्रमांक: 3233836)
टिकैत एच.बी.एस.सी. कालेज, रायबरेली
685 / 900 76.11%

6. **कु. मधुलिका मौर्य** (अनुक्रमांक: 3113470)
श्रीमती गिरिजा देवी महिला महाविद्यालय, फतेहपुर
681 / 900 75.66%
5. **कुलाधिपति कांस्य पदक** विश्वविद्यालय की बी.एस-सी. अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ दो विद्यार्थियों के लिए
1. **अफीफा शहजाद** (अनुक्रमांक: 6110505)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर
1382 / 1800 76.78%
2. **ऋषभ गुप्ता** (अनुक्रमांक: 6057723)
ठा. युगराज सिंह महाविद्यालय, फतेहपुर
1366 / 1800 75.89%
6. **कुलाधिपति कांस्य पदक** विश्वविद्यालय की बी.काम. अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ दो विद्यार्थियों के लिए
1. **आशी पाण्डेय** (अनुक्रमांक: 313178)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर
1458 / 2000 72.90%
2. **इन्द्राणी त्रिपाठी** (अनुक्रमांक: 317568)
रूपरानी सुखनन्दन सिंह महाविद्यालय, कानपुर
1437 / 2000 71.85%
7. **कुलाधिपति कांस्य पदक** विश्वविद्यालय की बी.एस-सी. (कृषि) अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ दो विद्यार्थियों के लिए
1. **हर्षित त्रिपाठी** (अनुक्रमांक: 0800497)

जनता महाविद्यालय, अजीतमल, औरैया

8.48 / 10 (O.G.P.A.)

2.

हर्ष त्रिवेदी

(अनुक्रमांक: 0800029)

कुलभाष्कर आश्रम डिग्री कालेज, इलाहाबाद

8.46 / 10 (O.G.P.A.)

8. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की जीवन विज्ञान प्रगत अध्ययन संकाय में
सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

मालविका मोदी

(अनुक्रमांक: 5091312)

(एम.एससी.;माइक्रोबायोलॉजी)

डी.ए.वी. कालेज, कानपुर

1541 / 2000 77.05%

9. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की व्यवसाय प्रबन्ध प्रगत अध्ययन संकाय में
सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

अनमोल तिवारी

(अनुक्रमांक: 0802863)

(बी.बी.ए.)

डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप इंस्टी. ऑफ कम्प्यूटर स्टडीज, कानपुर

3421 / 4400 77.75%

10. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की सामाजिक विज्ञान प्रगत अध्ययन संकाय में
सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

कृ. मोहिनी सिंह गौर

(अनुक्रमांक: 5191014)

(एम.एस.डब्ल्यू.),

1565 / 2100 74.52%

डिपार्टमेण्ट ऑफ सोशल वर्क, सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय
कानपुर

11. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की कला संकाय की स्नातकोत्तर परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

एकता पटेल

(अनुक्रमांक: 8200560)

(एम.ए.; ड्राइंग एण्ड पेंटिंग)

डी.जी. कालेज, कानपुर

838 / 1000 83.80%

12. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की वाणिज्य संकाय की स्नातकोत्तर परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

सना अहमद

(अनुक्रमांक: 0053181)

पी.पी.एन. कालेज, कानपुर

1198 / 1700 70.47%

13. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की विज्ञान संकाय की स्नातकोत्तर परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

कृतिका मल्होत्रा

(अनुक्रमांक: 2043968)

(एम.एससी.; जन्तु विज्ञान)

डी.बी.एस. कालेज, कानपुर

916 / 1200 76.33%

14. कुलाधिपति कांस्य पदक

विश्वविद्यालय की कृषि संकाय की स्नातकोत्तर परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

शार्दूल्य शुक्ला

(अनुक्रमांक: 0401107)

(एम.एससी.; कृषि – अर्थशास्त्र)

जनता महाविद्यालय, अजीतमल, औरैया

608 / 800 76%

कुलसचिव

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
पदकों की तालिका
वर्ष –2017
(ब)

कुलपति स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता :-

1. **कुलपति स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय के कला संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए
एकता पटेल (अनुक्रमांक: 8200560)
(एम.ए.; ड्राइंग एण्ड पेंटिंग)
डी.जी. कालेज, कानपुर

838 / 1000 83.80%
2. **कुलपति स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए
अफीफा शहजाद (अनुक्रमांक: 6110505)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर

1382 / 1800 76.78%
3. **कुलपति स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए
आशी पाण्डेय (अनुक्रमांक: 313178)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर

458 / 2000 72.90%
4. **कुलपति स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए
हर्षित त्रिपाठी (अनुक्रमांक: 0800497)
जनता महाविद्यालय, अजीतमल, औरैया

8.48 / 10 (O.G.P.A.)

5. कुलपति स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

मालविका मोदी (अनुक्रमांक: 5091312)

(एम.एससी.; माइक्रोबायोलॉजी)

डी.ए.वी. कालेज, कानपुर

1541 / 2000 77.05%

6. कुलपति स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबन्धन संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

अनमोल तिवारी (अनुक्रमांक: 0802863) (बी.बी.ए.)

डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप इंस्टी. ऑफ कम्प्यूटर स्टडीज, कानपुर

3421 / 4400 77.75%

7. कुलपति स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

तनु मिश्रा (अनुक्रमांक: 7084325)

उ.प्र. ग्रामीण आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, इटावा

1819 / 2450 74.24%

8. कुलपति स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एडवांस स्टडीज ऑफ सोशल साइंस की स्नातकोत्तर परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

कु. मोहिनी सिंह गौर(अनुक्रमांक: 5191014)

(एम.एस.डब्लू.)

1565 / 2100 74.52%

डिपार्टमेण्ट ऑफ सोशल वर्क, सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय कानपुर

9. **कुलपति स्वर्ण पदक**

विश्वविद्यालय परिसर के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

1.

चाँदनी यादव (अनुक्रमांक: CSJMA13001390127)

(बी.टेक.; इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी)

यू.आई.ई.टी., सी.एस.जे.एम.विश्वविद्यालय, कानपुर

9.91

(C.P.I.)

2.

विजया लक्ष्मी आनंद (अनुक्रमांक: CSJMA13001390222)

(बी.टेक.;केमिकल इंजीनियरिंग)

यू.आई.ई.टी., सी.एस.जे.एम.विश्वविद्यालय, कानपुर

9.91

(C.P.I.)

कुलसचिव

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

पदकों की तालिका

वर्ष -2017

(स)

1. डॉ० बाल मुकुंद गुप्ता
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की बी०ए० परीक्षा में हिन्दी में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
कु. कात्यानी देवी (अनुक्रमांक: 3108801)
अभय प्रताप सिंह डिग्री कालेज, फतेहपुर
261 / 350 74.57%
2. डॉ० प्रेम नारायण शुक्ल
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की एम.ए. हिन्दी परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
प्रिंसी तिवारी (अनुक्रमांक: 8903168)
तिलक महाविद्यालय, औरैया
804 / 1200 67%
3. श्री हीरा लाल खन्ना
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की बी.ए. और बी.एस-सी. की परीक्षाओं में गणित में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
ऋषभ गुप्ता (अनुक्रमांक: 6057723)
ठा. शिवप्रताप सिंह कालेज, फतेहपुर
504 / 700 72%
- हेमंत प्रताप सिंह (अनुक्रमांक: 6033171)
श्री पूतू सिंह कालेज, औरैया
504 / 700 72%

4. श्री सरदार इन्दर सिंह
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की एम.काम. परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
सना अहमद (अनुक्रमांक: 0053181)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर
1198 / 1700 70.47%
5. श्री सरदार इन्दर सिंह
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की बी.काम. परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
आशी पाण्डेय (अनुक्रमांक: 313178)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर
1458 / 2000 72.90%
6. श्री पी0के0 जैन
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की बी.ए. परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए
सपना सिंह राठौर (अनुक्रमांक: 3188292)
आचार्य नरेन्द्रदेव नगर निगम महिला महाविद्यालय, कानपुर
710 / 900 78.88%
7. जे0के0 चेरीटेबुल ट्रस्ट
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की बी.ए. की परीक्षा में अर्थशास्त्र में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
वन्दना खत्री (अनुक्रमांक: 3174477)
वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर
240 / 350 68.50%
8. सर पदमपत सिंघानिया
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की एम.ए. (अंग्रेजी) की परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
सिल्क स्मित (अनुक्रमांक: 8504968)

अर्मापुर पी.जी. कालेज, कानपुर

566 / 950 59.57%

9. कौलाशपत सिंघानिया
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (भौतिक विज्ञान) की परीक्षा
में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए

वीरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा (अनुक्रमांक: 2011771)
दिव्य कृपाल महाविद्यालय, मल्लावां, हरदोई

859 / 1200 71.58%

10. लाला लक्ष्मीपत सिंघानिया
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.बी.बी.एस. परीक्षा में अधिकतम अंक
प्राप्तकर्ता के लिए

तनु मिश्रा (अनुक्रमांक: 7084325)
उ.प्र. ग्रामीण आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, इटावा

1819 / 2450 74.24%

11. भवानी प्रसाद मेमोरियल
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.ए. (अर्थशास्त्र) परीक्षा में अधिकतम
अंक प्राप्तकर्ता के लिए

मंताशा बानो (अनुक्रमांक: 8302699)
डी.जी. कालेज, कानपुर

791 / 1100 71.90%

12. श्रीमती रामा देवी मेमोरियल
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (सांख्यिकी) परीक्षा में
अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए

एकता श्रीवास्तव (अनुक्रमांक: 2060006)
डी.ए.वी. कालेज, कानपुर

852 / 1200 71%

13. **दयानन्द सरस्वती
स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (रसायन विज्ञान) परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
समीक्षा मिश्रा (अनुक्रमांक: 2023777)
वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर
1035 / 1500 69%
14. **श्री गुलाब सिंह आनन्द
स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.ए. (मनोविज्ञान) परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
सौम्या आस्थाना (अनुक्रमांक: 9500161)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर
709 / 1000 70.90%
15. **श्री एम.एम. पाण्डेय
स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.ए. (राजनीति विज्ञान) परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
विवेक द्विवेदी (अनुक्रमांक: 9402796)
क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर
571 / 850 67.17%
16. **डा० हरदत्त शास्त्री
स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.ए. (संस्कृत) परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
रश्मि वर्मा (अनुक्रमांक: 1092693)
बी.ए.के.पी. कालेज, लखीमपुर खीरी
644 / 850 75.76%
17. **श्रीमती जैदेई देवी जयपुरिया
स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (रसायन विज्ञान) परीक्षा में अधिकतम अंक प्राप्तकर्ता के लिए
समीक्षा मिश्रा (अनुक्रमांक: 2023777)

वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर

1035 / 1500 69%

18. श्री रामचन्द्र मुसद्दी
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के मेडिकल साइंस संकाय की सर्वश्रेष्ठ छात्रा
के लिए

तनु मिश्रा (अनुक्रमांक: 7084325)

उ.प्र. ग्रामीण आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, इटावा

1819 / 2450 74.24%

19. श्यामा देवी मिश्रा
लखीमपुर खीरी
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (रसायन विज्ञान) उत्तरार्द्ध
परीक्षा के द्वितीय प्रश्न-पत्र की परीक्षा में अधिकतम अंक
प्राप्तकर्ता के लिए

अंशिता मिश्रा (अनुक्रमांक: 2025455)

फिरोज गांधी कालेज, रायबरेली

70 / 100 70%

20. डा० बी०एन० भल्ला
स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.बी.बी.एस. फाइनल प्रोफेशनल परीक्षा
में जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज कानपुर में प्रथम प्रयत्न में
ही सर्वोच्च अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण उस विद्यार्थी के लिए
जिसने पूर्व वर्षों की परीक्षा भी एक ही प्रयत्न में उत्तीर्ण की हो

सक्षम पाण्डेय (अनुक्रमांक: 7084116)

जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर

1791 / 2450 73.11%

21. सर सी०वी० रमन
कमोमेरिशन स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (भौतिक विज्ञान) दोनों वर्षों
की लिखित परीक्षा में एक ही प्रयास में सर्वोच्च अंक प्राप्त
करने वाले उत्तीर्ण परीक्षार्थी के लिए

अभिजीत शुक्ला (अनुक्रमांक: 2011851)

श्री राम भरोसे सिंह महाविद्यालय, हरदोई

475 / 800 59.37%

22. **स्व0 डॉ0 वंशीधर
स्वर्ण पदक**

विश्वविद्यालय की एम.ए. (दर्शनशास्त्र) परीक्षा में सर्वोच्च
अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी के लिए

पायल पॉल (अनुक्रमांक: 9300128)

डी.ए.वी. कालेज, कानपुर

805 / 1200 67.08%

23. **श्रीमती शान्ती मोहिनी
स्वर्ण पदक**

विश्वविद्यालय की एम.ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास एवं
संस्कृति) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए

सूरज सिंह (अनुक्रमांक: 2010331)

एल.एम. डिग्री कालेज, कानपुर

566 / 800 70.75%

24. **स्व0 लाला दीवानचन्द्र**

विश्वविद्यालय की एम.ए. (दर्शनशास्त्र) परीक्षा में सर्वोच्च
अंक प्राप्तकर्ता के लिए

पायल पॉल (अनुक्रमांक: 9300128)

डी.ए.वी. कालेज, कानपुर

805 / 1200 67.08%

25. **हींगवाला स्व. बाबू
किशोरचन्द्र कपूर
स्वर्ण पदक**

विश्वविद्यालय की एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) परीक्षा में सर्वोच्च
अंक प्राप्तकर्ता के लिए

विपिन कुमार केसरवानी (अनुक्रमांक: 8404767)

रानी चन्द्रप्रभा महाविद्यालय, फतेहपुर

628 / 850 73.64%

26. हींगवाला स्व. बाबू
मातादीन कपूर
स्वर्ण पदक
- विश्वविद्यालय की एम.ए. (प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
सूरज सिंह (अनुक्रमांक: 2010331)
एल.एम. डिग्री कालेज, कानपुर
- 566 / 800 70.75%
27. हींगवाला स्व. बाबू
किशोरचन्द्र कपूर
स्वर्ण पदक
- विश्वविद्यालय की एम.ए. (इतिहास) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
बृजेश तिवारी (अनुक्रमांक: 1042997)
ब्रह्मानन्द पी.जी. कालेज, कानपुर
- 566 / 850 66.58%
28. हींगवाला स्व. श्रीमती
रामदुलारी कपूर
स्वर्ण पदक
- विश्वविद्यालय की बी.ए. (हिन्दी भाषा) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
कल्पना सिंह (अनुक्रमांक: 3123076)
दिव्य कृपाल महाविद्यालय, हरदोई
- 229 / 350 65.43%
29. स्व. हरिनाम सिंह
श्रीवास्तव (महमूदाबाद)
स्वर्ण पदक
- विश्वविद्यालय की एम.एस-सी. (प्राणि विज्ञान) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
कृतिका मल्होत्रा (अनुक्रमांक: 2043968)
(एम.एससी.; प्राणि विज्ञान)
डी.बी.एस. कालेज, कानपुर
- 916 / 1200 76.33%

30. **1008 स्वामी अखण्डानन्द परमहंस भगवती देवी स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.ए. (दर्शनशास्त्र) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए **पायल पॉल** (अनुक्रमांक: 9300128)
डी.ए.वी. कालेज, कानपुर
805 / 1200 67.08%
31. **महाशय चित्रसेन निगम स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की एम.ए. (भूगोल) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए **सुतापा अधिकारी** (अनुक्रमांक: 8603533)
डी.बी.एस. कालेज, कानपुर
823 / 1200 68.58%
32. **श्रीमती नन्दरानी देवी स्वर्ण पदक** विश्वविद्यालय की स्नातक कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए **रक्षा पटेल** (अनुक्रमांक: 6543008)
(बी.एससी.—हेल्थ एण्ड न्यूट्रिशन)
इन्स्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस, सी.एस.जे.एम.
विश्वविद्यालय, कानपुर
2057 / 2500 82.28%
33. **महेश चन्द्र श्रीवास्तव स्मारक स्वर्ण पदक** जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर की एम.बी.बी.एस. परीक्षा में फार्मोकोलॉजी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए **नीलेश कुमार सिंह** (अनुक्रमांक: 7082089)
जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर
115 / 150 76.66%

34. डा. (श्रीमती) निर्मला
सक्सेना स्मारक
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की एम.ए. (संगीत) विषय में सर्वोच्च अंक
प्राप्त करने वाली छात्रा के लिए
अंजली यादव (अनुक्रमांक: 9200301)
(एम.ए.; म्यूजिक)
आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय, कानपुर
829 / 1000 82.9%
35. डा. एस.एम. शुक्ल
स्वर्ण पदक
विश्वविद्यालय की एम.काम. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता
के लिए
सना अहमद (अनुक्रमांक: 0053181)
पी.पी.एन. कालेज, कानपुर
1198 / 1700 70.47%
36. स्व. जयनारायण गुप्त
स्मारक स्वर्ण पदक
एम.बी.ए. (अंशकालीन) परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता
छात्र के लिए
जितेन्द्र कुमार (अनुक्रमांक: 4021003)
(एम.बी.ए.—पार्ट टाइम)
आई.बी.एम., सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर
3677 / 5100 74.24%
37. स्व. जुगल देवी गुप्ता
स्मारक स्वर्ण पदक
एम.बी.ए. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता छात्रा के लिए
आरिफा हसीन (अनुक्रमांक: 5121006)
एम.बी.ए.—(बी.ई.)
आई.बी.एम., सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर
3359 / 4500 74.64%

38. **जे.के. स्वर्ण पदक** एम.बी.ए. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
आरिफा हसीन (अनुक्रमांक: 5121006)
एम.बी.ए.—(बी.ई)
आई.बी.एम., सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर
3359 / 4500 74.64%
39. **स्व. सुमित सांमल** एम.ए. (राजनीति शास्त्र) में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
स्मारक स्वर्ण पदक **विवेक द्विवेदी** (अनुक्रमांक: 9402796)
क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर
571 / 850 67 / 17%
40. **डा. डी.एस. भाकूनी** विश्वविद्यालय की एम.एस—सी. (रसायन विज्ञान) की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
(लखनऊ) स्वर्ण पदक **समीक्षा मिश्रा** (अनुक्रमांक: 2023777)
वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर
1035 / 1500 69%
41. **स्व. प्रेम नन्दन दृढोमर** विश्वविद्यालय की एम.बी.ए. (अंशकालीन) की परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए
स्मारक स्वर्ण पदक **जितेन्द्र कुमार** (अनुक्रमांक: 4021003)
(एम.बी.ए.—पार्ट टाइम)
आई.बी.एम., सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर
3677 / 5100 72.09%

42. स्व. अतुल माहेश्वरी
पत्रकारिता स्मारक स्वर्ण
पदक नवोन्मेषक अमर
उजाला समूह

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के परास्नातक स्तर के
सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए

विशाल गुप्ता

(अनुक्रमांक: 5171048)

1164 / 1600 72.75%

डिपार्टमेण्ट ऑफ मॉस-कम्प्यूनीकेशन एण्ड जर्नलिज्म, सी.
एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर

43. डॉ०.उमेश चन्द्र सिंह
स्मारक स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय की एम.एससी. (वनस्पति विज्ञान) परीक्षा में
सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता के लिए

प्रीति यादव

(अनुक्रमांक: 2053767)

डी.जी. कालेज, कानपुर

974 / 1400 69.57%

कुलसचिव

C. S. J. M. UNIVERSITY, KANPUR

Ph.D. Awardees

S. NO.	REGN. NO.	CANDIDATE NAME	RESEARCH SUBJECT
1	08020002	PRAMOD KUMAR PAL	AGRI. CHEMISTRY
2	07040001	KUMARI REKHA	AGRI. EXTENSION
3	08060006	SMRITI GUPTA	BOTANY
4	08090060	ROHIT MOHAN	CHEMISTRY
5	08090021	DIVYA GUPTA	CHEMISTRY
6	08110022	AKANSHA AGNIHOTRI	COMMERCE
7	06130002	SONI SINGH	DRAWING & PAINTING
8	05130001	PREETI GUPTA	DRAWING & PAINTING
9	08130009	POOJA SHUKLA	DRAWING & PAINTING
10	08130004	AMRITA SINGH	DRAWING & PAINTING
11	08130006	DEEKSHA TIWARI	DRAWING & PAINTING
12	03140045	RIZWANA SHAHEEN	ECONOMICS
13	09140008	ARTI ARYA	ECONOMICS
14	07510011	HIMANI SINGH	EDUCATION
15	08150030	RUCHI DUBEY	EDUCATION TRAINING
16	08510026	MAHENDRA KUMAR SINGH	EDUCATION TRAINING
17	05150056	ASHWARYA SRIVASTAVA	EDUCATION TRAINING
18	08150024	DIVYESHWAR RAM MISHRA	EDUCATION TRAINING
19	08170021	KAMINI SACHAN	ENGLISH LITERATURE

20	06170013	JYOTI YADAV	ENGLISH LITERATURE
21	04170039	KIRTI TRIVEDI	ENGLISH LITERATURE
22	07170014	RUCHI DIXIT	ENGLISH LITERATURE
23	08180020	PREETI AWASTHI	GEOGRAPHY
24	08190039	NEERJA DUBEY	HINDI LITERATURE
25	08190004	RAMA MISHRA	HINDI LITERATURE
26	08190073	ANKITA SRIVASTAVA	HINDI LITERATURE
27	08190021	RAGINI SRIVASTAVA	HINDI LITERATURE
28	07190124	PRIYANKA YADAV	HINDI LITERATURE
29	07190093	NAZMEEN QURESHY	HINDI LITERATURE
30	08200011	POOJA DWIVEDI	HISTORY
31	07200022	VIKASH KUMAR TRIVEDI	HISTORY
32	09210001	RUPALI SAXENA	HOME SCIENCE
33	05230005	MANOJ KUMAR	LIFE SCIENCE
34	08230004	NIDHI KATIYAR	LIFE SCIENCE
35	08240013	ANUJ SRIVASTAVA	MATHEMATICS
36	03270012	JAYA TRIPATHI	MUSIC
37	08290018	GARIMA TIWARI	PHYSICS
38	06290008	RAKHI MISHRA	PHYSICS
39	08290005	DHARMENDRA PRATAP SINGH	PHYSICS
40	99300001	JAY PRADA SHUKLA	POLITICAL SCIENCE
41	08320062	SHASHI LEKHA	SANSKRIT
42	07320029	RUMAN DEVI	SANSKRIT
43	08320044	HUMRA SULTANA	SANSKRIT
44	09330003	ABHISHEK MISHRA	SOCIOLOGY

45	08330024	MITHILESH KUMAR	SOCIOLOGY
46	06330015	SHEEBA QADEER	SOCIOLOGY
47	08330037	VIVEK KUMAR SHARMA	SOCIOLOGY
48	08330007	PRATIBHA RAJ	SOCIOLOGY
49	06380017	SUMITA PANDEY	ZOOLOGY
50	07380032	ARVIND KUMAR	ZOOLOGY

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University Kanpur
32nd Convocation
October 17, 2017

Vice Chancellor's Report
Prof. J. V. VAISHAMPAYAN

Hon'ble Sri Ram Naik ji, The Governor of Uttar Pradesh and Chancellor of Chhatrapati Shahu ji Maharaj University, Kanpur, Our esteemed Chief Guest, Prof. K.B. Pandeya, the former Vice Chancellor of this University and Ex-Chairman of Lok Seva Ayog, U.P., and Distinguished Guest, Hon'ble Dy. C.M. U.P. Govt., Prof. Dinesh Sharma, distinguished Members of the Executive Council and the Academic Council, Registrar of the University, Deans of various faculties, Principals of the Colleges affiliated to the University, learned faculty members, Recipients of Degrees and Medals, Students, Press and Media Personnel, honoured guests, ladies and gentlemen !

I feel pleased and privileged to welcome you all on the occasion of the 32nd Convocation of Chhatrapati Shahu ji Maharaj University, Kanpur.

I heartily welcome the President of the Convocation, Hon'ble Sri Ram Naik, the Governor of Uttar Pradesh and Chancellor of Chhatrapati Shahu ji Maharaj University, Kanpur. Sir, your gracious presence is a great inspiration and so this occasion is highly significant and memorable. We are deeply indebted and grateful to you, Sir, for the encouragement and support and we hope that this will enable us to further the vision of academic excellence and quality teaching in the University.

We warmly welcome our Chief Guest Prof. Krishna Bihari Pandeya who was born on April 1, 1942, in a farmer's family in village Pakari-Sewar of Allahabad District. Prof. Pandeya completed his school education from Lala Ramlal Agrawal Inter College Sarsa, Allahabad. He obtained his B.Sc.(1961), M.Sc.(1964) and D.Phil.(1969) degrees from Allahabad University. His research supervisor Prof. H.L. Nigam, FNA, is a world renowned Transition Metal Chemist.

Dr. Pandeya began his career as a lecturer in August 1968 at Allahabad University and moved to Delhi University in April 1970, where he worked first as Post Doctoral Fellow, and then as Lecturer and Reader in Chemistry. In 1985, Dr. Pandeya took over as Professor & Head of the Department of Chemistry at A. P.S. University Rewa (M.P.) and was elevated to the position of Vice-Chancellor of C.S.J.M. University, Kanpur in 1998, where he is remembered for his administrative and academic excellence. Soon after in April 2000, the Government of Uttar Pradesh appointed him as Chairman of U.P. Public Service Commission, the assignment that he completed with laurels on March 31, 2004. For a brief span of nearly one year, he rendered a voluntary service as Vice-Chancellor of J.R.H. University Chitrakoot (U.P.). He has also worked as Vice-Chancellor at Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya Chitrakoot (M.P.), for a period of 3 years (17-06-2010 to 13-06-2013) and at Nehru Gram Bharati Vishwavidyalaya Jamunipur, Allahabad again for nearly 3 years (June 2015 to April 2018). After attaining the age of 75 years, he sits back home doing only voluntary service to the people and society.

Dr. Pandeya has had a brilliant teaching and research career. He has supervised 22 Ph.D. theses (10 at Delhi Univ. and 12 at Rewa Univ.) and has published over 200 research papers. He is Fellow of the National Academy of Sciences, India and has been President of Indian Chemical Society for 2 years (2007 & 2008). He has won several academic awards like Acharya P.C. Ray memorial medal and lecturership and Prof. P.K. Bose memorial medal and lecturership. Prof. Pandeya was awarded Commonwealth Academic Staff Fellowship to work at the University of Leeds, UK. He was also awarded "INSA-Slovak Academy of Sciences exchange visitorship" to work at Slovak Technical University, Bratislava. An expert in EPR and Mossbauer spectroscopy, Prof. Pandeya is well known for his work on Synthetic models of Copper Proteins, specially Copper-Zinc Superoxide Dismutase. His present research interest is natural and synthetic α -glucosidase inhibitors with antihyperglycemic properties.

Presently Dr. Pandeya is President of International academy of physical Sciences. He is also Vice-President (Upsabhapati) of Vigyan Parisad Allahabad, an organization devoted to Popularization of Science in Hindi.

We warmly welcome our Distinguished Guest, Hon'ble Dy. Chief Minister, U.P. Govt., Prof. Dinesh Sharma whose birth and primary education took place at Lucknow. He got his

B.Com and M.Com Degrees from the University of Lucknow and after that he completed his Ph.D. from the same University.

Prof. Sharma started his teaching career at the University of Lucknow and was appointed Professor in 2004. Prof. Sharma has written several books related to his subject and many research scholars have accomplished their research works under his able guidance.

In year 2014 he was appointed Vice President of Bhartiya Janta Party and remained the Incharge of Gujarat. In March, 2017 he became the Hon'ble Dy. Chief Minister of Uttar Pradesh Government and currently is also holding the Charge of Cabinet Minister for Higher and Secondary Education.

With the permission of the Hon'ble President of the Convocation, I present the Annual Report on the progress of University with a brief account of the annual academic activities and achievements of the University.

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (formerly Kanpur University) was established in 1966 and today I deem it a proud privilege to announce that we are in a continuum of Golden Jubilee Celebration of the University. We have prepared a work plan of the programmes, academic activities and construction of useful, commemorative infrastructure of the University and are materializing it step-by-step. Since its inception as an affiliating University in 1966, the University has grown and continues to grow with its motto "Aroh Tamso Jyoti" (Rise from darkness to light). The Residential Wing of teaching in the campus of the University gained ground in early 1980s with the establishment of three new faculties, namely, (i) Faculty of Life Sciences, (ii) Faculty of Advanced Studies in Commerce, Business and Industrial Management and (iii) Faculty of Advanced Studies in Social Sciences. The University has kept a steady pace of growth and today the jurisdiction of its affiliation covers the districts of Kanpur, Sitapur, Hardoi, Etawah, Aurraya, Kannauj, Farrukhabad, Kanpur Dehat, , Rai Bareli, Unnao, Amethi and Lakhimpur Kheri of the State of Uttar Pradesh. The University controls and manages a strength of about 12 lakh regular students studying in more than 1100 affiliated degree and post-graduate colleges and also covers about 1.00 lakh private students. The University imparts teaching of various programmes at Under graduate and Post graduate levels in Arts, Humanities, Science, Social Science, Life Science, Bio-sciences, Biotechnology, Commerce, Law, Agriculture, Education, Food Technology,

Management, Engineering, Library Science, Information Science, Military Science, Aviation, and Medical Sciences. I gratefully acknowledge the tireless efforts and invaluable contribution of the faculty and administrative machinery of the University and its affiliated colleges in developing the University to its present form and stature.

The Grand Campus and Infrastructure of the University :

The infrastructure of the University is at par with that of many IITs of the state. The richness of the infrastructure has a sufficient scope of furthering the academic cause and strengthening the administrative capacity of the University without much addition to or modification in the existing infrastructure. The grand campus of the University is set in the lap of the eco-friendly healthy lush green of nature and its beauty covers 264 acres of land. The University has a State-of-Art auditorium with a seating capacity of 1100 audience, the computerised branches of Union Bank of India and Bank of Baroda, Post Office, Cafeteria, Computer Centre, International Centre, Helipad, Health Centre, Multipurpose Hall, Stadium and Medicinal Garden. There are **18** Institutes and Departments of the University, which include the University Institute of Engineering and Technology, University Institute of Business Management, University Institute of Paramedical Sciences, University Institute of Pharmacy, Institute of Bio-Sciences and Biotechnology, Institute of Journalism and Mass Communication, Department of Life Sciences, Department of Education, Department of English, Department of Adult and Continuing Education, Department of Social Work, Department of Library and Information Science, Computer Centre, Institute of Hotel and Tourism Management and Institute of Legal Studies. The University offers a total number of 58 teaching programmes out of which 53 are running under the Self-Finance-Scheme and 05 are aided. Our university runs job-oriented and inter-disciplinary courses to enable our students to cope-up with the needs of the complex international scenario of today.

Research Activities and Academic Profile of the University :

A university is recognised by the quality and level of its teaching, research and academic activities. We have enacted the ordinance of research for the award of the degree of the Ph.D. according to the guidelines and directions issued by the University Grants Commission and now in the light of the newly issued guidelines and instructions the new ordinance of research is under the process of its enactment. We have also cleared a backlog of

Ph.D. theses pending consideration and the total number of Ph.D. degrees awarded in different subject areas in 2016-2017 figures to 50. The University has organized several seminars and conferences in different departments. Various members of the different departments of the University have participated in many International and National Seminars and Conferences. The University faculty have published books, research papers and articles in International and National peer reviewed Journals.

I have the privilege to inform you that our University maintains a regular academic calendar. We have made serious efforts and have taken effective measures to enhance quality teaching and research and encourage transparency and accountability in our examination system and process of evaluation of written answer books. We have designed a unified code of setting question papers and have implemented it as a successful measure towards minimising the errors and problems of the examination and evaluation processes. This year we have taken 61 question papers on multiple choice pattern. We declared the first result of B.Com III (R) 2016-17 as early as on 21.04.2017 and all the results of the regular courses of the University and its affiliated colleges were declared by the 23.06.2017. The Internal Quality Assurance Cell of the University has been geared up to initiate new measures for the furtherance of quality teaching in the University and also in its affiliated colleges.

Innovative Measures Translated into Practice :

An Educational Institution with a universal character can not thrive on its previous achievements. Of course, it can not do away with the local specifications and obligations in the name of its universality. The quality of its teaching-learning activities, the level of its research and academic endeavour are enlivened by the initiatives taken by the Vice-Chancellor with the co-operation of its academic and administrative setup. As Vice-Chancellor of Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur it has always been my preference to create new possibilities for innovative development alongwith the execution of the schemes and projects already under process. Sir, the following are the decisions and initiatives taken by me for their execution within the preceding one year :

- 1) We have executed the work-plan already prepared for the GoldenJubilee Year of the establishment of this University.

- 2) We have established an effective system of sanitation and cleanliness in the University reflecting the Prime Minister's Swachh Bharat Yojana. A proper system of garbage disposal in various departments and various offices of the University has been established and implemented.
- 3) Initiating the long awaited career advancement and promotion of the teachers of the University, we have completed the process for the promotion of teachers of the Department of English, the Department of Life Sciences, Institute of Business Management and Department of Physical Education. We hope to complete the process of the promotions for the teachers of the remaining departments at the earliest possible.
- 4) An effective system based on e-governance has been implemented for the quick disposal of the administrative work of the University.
- 5) The attendance of students in various classes of the University is being regularly observed and the students of the University campus and its affiliated colleges are allowed to appear in their examinations only after the completion of their attendance and teaching days as per the statutes of the University.
- 6) The system of remitting all the payments of the University through RTGS system has been implemented to make the process of payments quick and transparent.
- 7) The University received an amount of Rs. 6,73,16,665.00 under RUSA and out of this 6,49,49,139.00 was spent for renovation and upgradation of the existing classrooms, boys and girls hostels, administrative offices' equipments - computer systems and related modules and procurement of e-books/journals and e-resources.
- 8) The system of WRN (Web Registration Number) has been implemented for the students seeking admissions in the colleges affiliated to the University.
- 9) A mobile App is provided by the University to display the examination results to the students at the quickest possible.
- 10) The process of affiliating colleges to the University has been rendered On-line so as to effect transparency and a clean and quick disposal of work.
- 11) As Vice-Chancellor of the University I hold open sessions twice a year to have a direct

interaction with the students of the campus of the University so as to know directly their problems for a quick disposal.

12) The University has made a provision of grant for the small research projects of the teachers of the colleges affiliated to the University.

13) A Poor Students Fund has been established to help the needy students of the campus of the University.

14) An Endowment Fund of Rs.200 crore has been established in the University.

15) As an innovative measure we have established an Academic Resource Centre in the University to cater to the educational needs of the students of the campus of the University and those of the colleges affiliated to it. At present the centre is preparing question banks for all subjects and papers and is in possession of over 16000 questions. Soon in future the preparation and the availability of educational reading materials will be ensured by the Centre.

16) The use of 8 set question booklets based on multiple choice question system is being implemented in the examinations of the University. As a result, the evaluation process has become quick for the computerized evaluation of OMR answer sheets.

17) We have appointed Head Examiners/Scrutinisers in the main evaluation of the University to enhance the quality of evaluation and at the same time I regularly visit and inspect the Central Evaluation Centre.

18) Different colleges of the University have been clubbed together for one examination centre of B.B.A., B.C.A., B.Ed, Law, B.P.Ed. and other professional examinations of the University. This has rendered the examination process easy and has helped in exercising an effective control to curb the use of unfair means in the examinations.

19) With the declaration of the results the marks of the candidates are made available On-line.

20) The system of making the evaluated written answer books available to the students on-line at their request has been implemented and at the request of the dissatisfied candidates their answer books are scrutinised under transparent scrutiny process.

21) The system of the challenge evaluation for the evaluated written answer books of the

students, not satisfied with the evaluation, has been developed by the University.

- 22) The main examinations of the regular and the private students are conducted together to make effective administrative control possible.
- 23) The data related to the services of the employees and teachers of the University is being digitalised and computerised.
- 24) The University is participating in National Academic Depository Scheme of the Ministry of Human Resource and Development, Government of India.
- 25) With a view to the number and needs of the students of the campus of the University, a Boys' Hostel is on the verge of completion.
- 26) In the Eastern side of the University a Golden Jubilee Gate has been constructed.
- 27) On every Thursday Vidyavani Programme of the University is being broadcast on Radio City FM 103.7 MHz from 6:00 to 6:30 p.m. to facilitate the needy students of remote areas and it has completed its 33 sessions. These lectures and their scripts are also available on the University website for all.

Sir, these decisions of mine could find a proper and effective execution because of the co-operation of the faculty, officers and employees of the University. I congratulate them and thank them for their help and co-operation.

Academic Highlights :

Sir, research and academic activities are the soul of the process that culminates into designing the attitudes and chiselling the minds of the learners. Our University has made and continues to make serious efforts for the quality of the academic and intellectual development of the learners by way of seminars, conferences, workshops and invited lectures by specialised scholars from out side of the University. We also encourage and facilitate our teachers to visit other universities in India and abroad to follow the recent discoveries and inventions and studies in order to update their knowledge for the benefit of their students. The following is an account of academic, cultural and the research endeavors of various departments of the University from 1/1/2017 till date.

We are celebrating Golden Jubilee year of the university 2016-2017.

- 01.01.2017: The Institute of Health Sciences and Prayatna Sanstha jointly organised Yuva Samagam in its Conference Hall in which Prof. C.M. Singhal, ex- Head surgery Deptt., G.S.VM. Medical College was, honoured for his sublime contribution in the field of Medical science and social services.
- 02.01.2017 To 06.01.2017: 32nd North Zone Inter- University Youth Festival was organised in the university in which 30 universities of the States - Delhi, Hariyana, Punjab, Jammu & Kashmir, Uttarakhand and Uttar Pradesh participated actively.
- 21.01.2017:- Under the aegis of Placement cell an aptitude cum Reasoning Test was organised for the students of B.Tech, B.C.A. & M.C.A.
- 25.01.2017:- On the occasion of the 7th voter's day The Vice Chancellor administered the oath to all participants to exercise their votes.
- 28.01.2017:- The Placement cell of the University organised Seminar on "How to Build a Better Career After Technical Education" for B.Tech, B.C.A. & M.C.A. students.
- 31.01.2017:- The Institute of Business Management (IBM) organized a workshop on "Investor Awareness Programme" in which Shri Parvinder Singh threw light on the subject.
- 02.02.2017:- The IBM organised a National Seminar on "New Age Marketing" in which Prof. Prem Mohan, of Lucknow University and Shekhar Trivedi of Gaurhari Singhania Institute presided over the technical sessions. In the

fifth session Dr. Shamim Ansari, Bundelkhand University and Dr. Gyan Prakash, Rajarshi P.D. Tandon Open University were the resource-persons.

08.02.2017:-

The IBM also organised a seminar on Financial Literacy in its Auditorium in which Shri Praveen Kumar Dwivedi highlighted the plans related to Income Tax Saving, Mediclaim & Life Insurance Schemes and New Pension scheme.

09.02.2017:-

Institute of Engineering and Technology organised "Techno *spandan* 2017". Here Prof. Vinay Kumar Pathak, the Honorable Vice Chancellor of AKTU, Lucknow was the chief guest & Prof. Bharat Lohani, IIT, Kanpur delivered a lecture entitled " Entrepreneurship: Experiences in a Start up."

11.02.2017:-

IBM organised lectures on "The Importance of Human values in Professional Life & Education" in which Prof. L.T. Gyatso the Director of the "Institute of Language & Culture Studies" addressed the students. Prof. T.M. Lin & his assistant Prof. Chu Ming & Prof. Yee A. Chio Joseph told the students about International Teaching & they also answered the queries from the students.

11.02.2017-12.02.2017:-

With the inspiration of Deen Dayal Shodh Kendra two day National Seminar on the "Parities of Economic Thoughts of Mahatma Gandhi and Pt. Deen Dayal Upadhyay" was organised at Vidya Mandir M/V Kayamganj, Farrukhabad and in the seminar the Director, Dr. Shaym Babu Gupta was invited as the key speaker in its inaugural session.

- 20.02.2017:- Nine students of C.S.E. and I.T. Branches of B.Tech were selected for P3 Labs Bangalore under Placement Drive.
- 21.02.2017:- The Department of Education organised "International Mother Tongue Day" in which Prof. Subhash Agrawal, Dean Education, Prof. Mridula Bhadauria and Dr. Anshu Yadav and a large number of the students participated and competitions related to Mother Tongue slogans, Posters and Poetry Recitation were organised and the winners were awarded.
- 22.02.2017:- The department of Education organised a special lecture on "Challenges of Teacher Education" in which Prof. Nabi Ahmad, Formerly Head of the Dept. of Education and the teachers of the department expressed their views.
- 23.02.2017:- Some students of C.S.E. & I.T. Branches of B.Tech. were selected Under Placement Drive.
- 23.02.2017:- Honourable Shri Ram Naik, the Governor & Chancellor of C.S.J.M. University inaugurated "Vidyawani Programme" in the golden Jubilee year and expressed his faith that this innovation would be an inspiration to other institutions. The Vice Chancellor addressed to introduce present improved status of this university. In this inaugural broadcast a Lecture on "Poetry & Poetics" by Prof. Sanjay Kumar Swarnkar, Head of the Dept. of English was delivered.
- 23.02.2017:- The Director of Deen Dayal Shodh Kendra of the University was invited by Sunder Lal Sharma Vocational Institute, Bhopal to deliver his lecture on

"Ekam Manav Darshan of Pt. Deen Dayal Ji"

- 25-26.02.2017:- Under the aegis of Academic Resource Centre, the UIET organised a workshop for the teachers, regarding the utility of Basic I.C.T. skills, E-Learning, massive online open courses in the context of Higher education. Two experts- Prof. K.V. Bhanumati and Dr. Arun Julka of Guru Angad Dev Teaching Learning Centre of Delhi University were invited to conduct this workshop.
- 25.02.2017:- The students of B.Tech final year participated in ' On Line Test' conducted by Cocubes.com for the different companies.
- 26.02.2017-01.03.2017:- The Dept. of Adult and Continuing Education organised a workshop on " Village Prosperity Project and The Training of the Farmers on Natural Farming" in which the Coordinator Dr. U. Srivastava encouraged the students to seek such training.
- 02.03.2017:- Under RUSA Evaluation a meeting of committee for the procurements of Equipments was held in which the consent of the proposals of Rs. 2, 58, 16,225 was given in order to purchase the equipments in the different depts. of the university.
- 02.03.2017:- Pooja Yadav , a student B.F.A. second year of Fine Arts got first prize in Brush Stroke Branch at "World School Design", organized at Sonipat, Hariyana.
- 03.03.2017:- On the occasion of Ear Care Day The institute of Health Sciences organised "Cochlear Implant, Its Functions, Significance and Proper Care of the Ear" in which the special guest, C.M.O. of Kanpur Nagar- Dr.

- R.P. Yadav appreciated the works done by institute of Prof. Rohit Mehrotra namely Late S.N. Mehrotra Memorial ENT Foundation.
- 08.03.2017:- N.S.S. unit of the University organised a seminar on "Indian Culture and Women Empowerment" to celebrate the 42nd International Women's Day.
- 20.03.2017:- The students of CSE & IT Branches of B.Tech participated for Informeteca Company "employment drive" under Placement Drive.
- 25.03.2017:- A Seminar was organised on "Tips for Job Interviews" for the student of B.Tech IIIrd Year & IV Year.
- 29.03.2017:- The Executive Council approved the deposition of an amount of Rs. 1 crore to University fund and thankfully acknowledged this donation from the Manager of Kamala Neharu PG College, Tejgaon, Raebareilly.
- 30.03.2017:- NSS unit of the University celebrated ' Swachhata Abhiyan' in the Campus in which Teachers, Officers, Students and Employees participated actively.
- 18.04.2017-19.04.2017:- The students of B.Tech participated in Campus Test conducted by Co-Cubes company.
- 20.04.2017 & 21.04.2017:- The University organised Two-day-Edufest in the multipurpose hall and Honourable Minister for Govt of Uttar Pradesh Shri Satya Dev Pachauri inaugurated it. The motivational speaker Shri Arunendra Soni gave tips to the students regarding exploration of career opportunity in the spheres related to their courses.
- 20.04.2017:- An article of mine on "Human Values a Must for the Students" was published in U.P. Edition of Indian

Express.

- 04.05.2017-20.05.2017:- The Exams of LL.B. and B.A.LL.B. (Five Year Course) commenced on 04.05.2017 and ended on 20.05.2017 and they were conducted in Government or Aided colleges in order to make them completely fair.
- 16.05.2017-29.05.2017:- The Question papers of BAMS & BUMS Exams were made available to their centres 45 minutes earlier through the nearest Union Bank of India and the exams were monitored under CCTV and the answer-books were submitted to same Branches of UBI within 45 minutes of the end of each exam.
- 31.05.2017:- The Dept. of Education organised Tobacco Prohibition Day in which Teachers and the students of the different departments participated the students took an oath not to take tobacco in their life.
- 05.06.2017:- On the occasion of World Environment Day large scale plantation was done in the University campus.
- 12.06.2017-20.06.2017:- Physical Education Deptt. organised a Yoga Camp in the Multipurpose Hall of the University in which Teachers, officers, students and the family members of the Employees participated and they were trained by the Yogacharyas of Patanjali Peeth.
- 14.06.2017:- Bhavana Society for Disabled organised a programme for handicaps under the aegis of Institute of Health Sciences. The Chief Guest of this programme was Shri O.P. Rajbhar, Honourable minister of U.P. Government.
- 20.06.2017:- The Placement cell and The Ministry of Employment

- Information organised a programme of "Career Counselling" in which the students were given the information regarding their career.
- 21.06.2017:- International Yoga Day was organised In the University Campus in which a large number of the Teachers, Students, Employees and their family members participated.
- 02.07.2017:- Under the aegis of Physical Education Deptt. and Ministry of Youth and Games, Govt. of India organised a National Seminar on 'Career Prospects Through Adventure Sports' that actively involved a large number of Students.
- 03.07.2017-07.07.2017:- Under the aegis of Aram Park, Ram Nagar Delhi in Namami Gange programme a painting workshop was organised on "Krishna and Cow" in Hotel K & K karol bagh, New Delhi in which two students of the fine arts Shri Eklavya and Sushri Indu Kanaujia participated from this University.
- 05.07.2017:- The meeting of Academic Council was held in the Centre For Academics in which proposed updations of syllabi by different boards of studies were approved.
- 17.07.2017:- In the Inst. of Legal Studies the orientation of LL.M. syllabus was organised and their classes started from 18.07.2017.
- 18.07.2017:- The NSS unit of the University encouraged the students to get registered under its programme.
- 20.07.2017:- A large number of teachers, students, officers and other employees along with the members of Rotary Club participated in the plantation programme in the

- university premises as a joint venture of University and the Rotary club.
- 20.07.2017:- Under the aegis Hotel & Tourism Management a "Travel Counselling" workshop was organised in which Smt. Barbara Mirror shared her experiences of 65 countries with the Teachers & Students.
- 27.07.2017:- In the Inst. of Pharmacy Prof. G.S. Tomar delivered his Lecture on Science of Ayurved and also the Teachers of this Dept. expressed their views on the subject.
- 29-30.07.2017: The Institute of Biosciences and Biotechnology Organised Two-day Open Orientation program for Biosciences & Biotechnology-2017.
- 01.08.2017:- The Inst. of Hotel & Tourism Management organised a Travel talk in which Mr. William & Michael Hawthorn of Britain talked to the students of institute and satisfied their queries.
- 08.08.2017 to 12.08.2017:- The Orientation programme of I year students of B.Tech. , BCA, MCA was organised and the classes started from 18.08.2017.
- 09.08.2017:- According to the Instruction of UGC & MHRD New Delhi an Oath Ceremony was organised in the Administrative Building in the Honour of Freedom Fighters.
- 10.08.2017-12.08.2017:- A Grand Book Fair was organised in the Multipurpose Hall of the University Campus in which Books of almost all the subjects were displayed and sold for the students of the University & outside visitors on discount.
- 15.08.2017:- On The occasion of Independence Day the Students of

- NSS unit of the University organised "Swachhata Abhiyan" in which the programme of literacy awareness and plantation took place.
- 19.08.2017:- The Inst. of BSBT organised a seminar on "Trends in Biosciences, Recent Developments and Future Prospects". Prof. U.N. Dwivedi Pro V.C. of Lucknow University was the chief guest and Prof. P. Tondan, CEO Biotech Park Lucknow addressed the students.
- 19.08.2017:- The Inst. of Hotel & Tourism Management organised a workshop on the "Personality Development" in which the experts of Bramhakumari Prajapati Ishwariya University apprised the students of the utility and practicability of ideal life style.
- 01.09.2017-07.04.2017:- Under the aegis of the Inst. of Health Sciences National Nutrition Week was organised in which exhibition & debate competitions were organised.
- 04.09.2017:- A Navaras Kavi Sammelan was organised in the University Auditorium in which Prof. B.K. Nigam Lucknow University delivered his Presidential Address. The Chief Guest was Prof. H.K. Sehgl, the former V.C. of CSJM University and Guest of Honour was Shri Jagat Veer Singh Dron, Ex. Mayor of Kanpur Nagar.
- 05.09.2017 - Teachers' Day was celebrated in the conference hall of the Health Sciences. On this occasion the students presented their cultural programmes.
- 08.09.2017:- Prof. R.P. Singh, Dept. of English, Lucknow University delivered a lecture on "The Emerging Issues of Research in English" in the Dept. of English

- of the University.
- 11.09.2017- According to the instructions of the UGC, New Delhi the students of the University were facilitated to hear of the live speech of Hon'ble Prime Minister in the Conference Hall of Health Sciences.
- 16.09.2017:- The Seminar on Energy Efficiency was organised for the students of B.Tech. III and IV year.
- 21.09.2017:- Deen Dayal Shodh Kendra organised a Lecture Competition on "India of My Dreams" in which a large number of the students were selected on the level of University and its affiliated colleges and the best students were given prizes.
- 22.09.2017:- The advisory committee approved the proposal of Academic Resources Centre that the university shall launch short duration videos on the syllabi related topics through You Tube for the benefit of the students.
- 22-23.09.2017: The Departments of Nutrition Science and Food Technology, Institute of Biosciences and Biotechnology Organised Two-day Workshop on Quality Control and Food Hygiene.
- 26.09.2017:- The World Tourism Day was organised in the International Guest House.
- 05.10.2017- UIET IV building was inaugurated by the Honourable Governor and Chancellor and before it he planted a tree in front of this building.
- The Hon'ble Chancellor also inaugurated the legal advisory clinic at the department of Legal Studies. This clinic will help the poor and needy people.
- 05.10.2017 - 07.10.2017 - The Institute of Health Sciences organised a three-day

"International Conference on Fight against cancer" in the auditorium of the University. It was inaugurated by Honourable Governor and the Chancellor of the University. The eminent speakers of the conference were - Prof. C.V. Rao, Florida, USA, Prof. H.R. Chitme, Oman, Dr. H.S. Sharma, Netherlands, Dr. S. Ramasha, Mauritius, Dr. M. Biyani, Japan, Prof. Mansoroj, Thailand and several others. Prof. Ashok Kumar, the former Vice Chancellor of this university was the Chairperson.

Extention Activities : Education for service of Mankind -

Sir, we are aware of the conditions of modern educational system which is going theoretical in certain subject areas. Education should work for the welfare of mankind and it is possible through extension activities. The teaching-learning process fulfils the most significant of its purposes when it brings the teachers and students outside the confines of formal class rooms to bring education to human welfare. The University is conscious of its duties in this direction and we have geared up the department of Social Work, the department of Adult and Continuing Education, the University Institute of Health Sciences and the N.S.S. unit of the University to take effective strides in this direction both with in university campus and outside for the welfare of people at large. These include free Health Check-up Programmes, Health Awareness Programmes, Blood Donation Camps and many useful activities and programmes for the service of society community and Environment. To save the Environment the University has banned smoking in the campus and the fallen leaves, instead of being burnt are used for preparing compost manure. The University has developed the system of the proper disposal of its garbage and sewage. The University is constructing its sewage treatment plant (STP) that will dispose off the sewage to the desired standard of purity. Sir, in the Institute of Health Sciences we have a Health Care Centre with a capacity of 10 beds. It has an arthritis clinic and an OPD of Medicine, Orthopaedics, Gynaecology, Ophthalmology, ENT, Dental, Psychiatry & Psychology. The Health Care Centre has a well equipped Physiotherapy setup. The University provides the services of specialist doctors for

its students, staff and faculty in the campus and also patients from outside the university.

The Central Library : Commitment to the differently abled persons -

We have a well equipped central library in the University which caters to the academic needs of the students studying various courses running in the University. The Central Library efficiently uses information technology for quick and student friendly services. Sir, the University is aware of its commitment to the service of the differently abled persons pursuing their studies and research in the University, we have taken effective measures to cater to their very particular requirements. The Central Library of the University is equipped with an Audio-Visual Lab for the use of the differently abled students also coming from other institutions. This lab has facilities like : the use of brail scripts, the speech to text and text to speech convertor, scan book readers. This lab also has foot operated paddled mouse to be operated by students with impaired limbs. Further, the central library is a member of Shodhganga project of INFLIBNET centre which provides a platform for research students to deposit their Ph.D. theses and make them available in open access. In the Central Library of the University a research scholar can access more than 10000 full text-Theses from about 144 Indian Universities. Central Library is Wi-Fi enabled Library. Now the Library users and research scholars can access Online full text journals, online dissertations and theses via Wi-Fi enabled devices i.e. Laptops, smart phones, Tablets etc. C.S.J.M. University has developed a digital library consortium for their affiliated colleges. The members of the consortium can access the resources of the Central Library such as Online Theses and other e-resources.

Games and Sports :

A healthy mind lives in a healthy body and a complete man is one who feeds both the body and the soul. The Games and sports in the life of a student are as important as the teaching-learning process that goes in the class rooms of the University. This University is equipped with state-of-the art infrastructure for different games and sports. The department of Physical Education of the University has always contributed to organize cultural, social and academic activities in addition to the standard events of games and sports.

The Computer Centre : The I.T. Needs of the University :

The use of information technology in higher education has affected revolutionary

changes in the traditional ways of teaching. A university has an upper hand in its academic, administrative and research activities by making a proper use of information technology. Our university has a well equipped computer centre. The Computer Centre is the central hub for ICT related services. With the commissioning of the University-wide network, via National Knowledge Network (NKN), the Computer Centre is in a unique position to serve the University and its affiliated colleges for all its ICT needs.

At present more than 725 nodes are connected to the network being served by more than 19 Servers, 50 switches, routers, WiFi AP and security devices. All the departments of the University are connected to NKN for resource sharing with all major educational and research institutions across the country. ICT services including internet are provided to all the University educational and administrative departments using 1 Gbps bandwidth.

University Computer Center provides varied services to all faculty members, staff, students and affiliated colleges of the University. The services include-

- Designing, expansion and maintenance of campus wide network.
- Web based Application Development for the use of payment gateways such as College login for Affiliated Colleges for examination related and other works, online submission of Entrance Application forms and Counseling, online submission of forms for all the University examinations, application for viewing of Answer Books, submission of requests for & generation of Provisional Certificates, submission of requests for the issue of Degree Certificates, submission of requests for & generation of Migration Certificates, etc.
- Issue of consolidated mark-sheets to final year students and on-line display of mark-sheets for all the students.
- Web based Software Module for the submission of Pre-Affiliation Application for NOC & Affiliation to facilitate Online Affiliation related work & monitoring of applications for the session 2016-17 and onwards.
- Hosting of servers for academic and administrative purposes.

- Development and maintenance of LAN based software modules for smooth functioning of administrative work such as Inventory Management, Affiliation Management, Degree Management, Financial Accounting, Payroll Management, Academic Management, Central Evaluation and Examination Management.

Sir, the present conditions of existence have changed the game rules of Arts, Sciences and Social Sciences. In a complex scenario of inter-disciplinary and trans-disciplinary approach to knowledge today we are discovering new and highly specific and specialized subject areas to cater to the needs of the present day life. We cannot live in isolation and so we have to stand respectfully among other countries and institutions in a global scenario. We know that Indian Educational Institutions have still to work hard to stand high in World Ranking but it is also a fact that the Indian tradition of Rishies and their Gurukulas cannot be done away with. A splendid structure without any function is a glorious nonsense and any functioning without a proper structure is a glorious impossibility. I would like to add that an earthen lamp with spark of light is better than a golden lamp without any spark or any light. The success of teaching-learning process is to open new avenues and quicken new thoughts and our university is making steady strides towards that purpose.

I would wind up by congratulating, once again the recipients of the degrees and medals in this convocation. I express my deep-felt thanks to the President of the Convocation Hon'ble Sri Ram Naik, the Chancellor of Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur and the Governor of Uttar Pradesh for inspiring us by presiding over the Convocation. I express my hearty thanks for our Chief Guest, Prof. K.B. Pandeya and Distinguished Guest, Hon'ble Dy. Chief Minister Prof. Dinesh Sharma for being with us today.

Thank you,

Jai Hind.

